

गति शक्ति विश्वविद्यालय
GATI SHAKTI VISHWAVIDYALAYA
(रेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत, केंद्रीय विश्वविद्यालय)

वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खाते
2022-23



"लोकसभा / राज्यसभा पर रखेजानेवाले प्रस्तावित पत्र"

सूचकांक तालिका

Contents	पेज नं.
विश्वविद्यालय के माननीय आगंतुक	1
कुलाधिपति के डेस्क से	2
कुलपति के डेस्क से	3
दूरदर्शिता, मिशन, मूल्य	4
विश्वविद्यालय के बारे में	5
संगठन संरचना	7
कोर्ट	7
कार्यकारी परिषद (ई.सी.)	7
अकादमिक परिषद (ए. सी.)	7
वित्त समिति (एफ.सी.)	8
अध्ययन मंडल (बी. ओ. एस.)	8
अन्य समितियाँ	8
इन्फ्रास्ट्रक्चर (प्रयोगशालाएं)	11
प्रयोगशाला अवसंरचना और प्रायोगिक सुविधाएं	13
प्रायोजित अनुसंधान और विकास परियोजनाएं	17
नई पहल	18
प्रख्यात आगंतुक संकाय की भागीदारी	19
नवाचार और ऊष्मायन प्रकोष्ठ की स्थापना	19
सहयोग	20
वित्तीय सहायता/छात्रवृत्ति	20
संकाय@जीएसवी	21
अधिकारी @जीएसवी	23
सूचना का अधिकार	23
कैम्पस प्लेसमेंट	23
संकाय भर्ती	23
AY.2022-23 के दौरान संस्थागत कार्यक्रम और छात्रों की गतिविधियाँ	24
लेखापरीक्षित विवरण और खातों का विवरण-2022-23	30

गति शक्ति विश्वविद्यालय

(रेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)
लालबाग, वडोदरा

फ़ोन : +91 0265 - 2648305 वेबसाइट: www.gsv.ac.in

वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खाते 2022-23

"लोकसभा / राज्यसभा पर रखेजानेवाले प्रस्तावित पत्र"

वार्षिक रिपोर्ट संकलन और
अभिकल्पना द्वारा

श्री टी. वी. अनंतसुब्रमण्यन, कुलसचिव
श्री कृष्ण कुमार, उप-कुलसचिव

संकलन:

संकाय, अधिकारियों, स्टाफ और आईटी टीम

अनुवाद :

डॉ सुनील शर्मा, विपुल प्रजापति, कामाक्षी जयसवाल

छपाई:

चामुंडा ग्राफिक्स, वडोदरा

प्रमाणित

वडोदरा

तारीख: 31.01.2024

विश्वविद्यालय के सम्मानित आगंतुक



**श्रीमती. द्रौपदी मुर्मू,
भारत की माननीय राष्ट्रपति**

चांसलर्स डेस्क से



श्री अश्विनी वैष्णव
कुलाधिपति,
गति शक्ति विश्वविद्यालय
&

माननीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

गति शक्ति विश्वविद्यालय एक प्रतिभाशाली, अत्यधिक कुशल और समर्पित कैडर का निर्माण करेगा जो भारत के परिवहन क्षेत्र के विकास में योगदान देगा और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को व्यापक बनाने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सही मायने में विश्वविद्यालय का दायरा और दृष्टिकोण रेलवे, हवाई मार्ग, सड़क मार्ग, समुद्री क्षेत्र आदि सहित पूरे परिवहन क्षेत्र को शामिल करेगा। इसके अलावा, विश्वविद्यालय कौशल विकसित करना और तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना चाहता है।

विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम उद्योग और हितधारकों से इनपुट को आत्मसात करेगा और रोजगार-उन्मुख कार्यक्रमों का विकास करेगा।

कुलपति के डेस्क से



प्रो. (डॉ.) मनोज चौधरी कुलपति गति शक्ति विश्वविद्यालय

रेल मंत्रालय के तहत गति शक्ति विश्वविद्यालय (जी. एस. वी.) वडोदरा की स्थापना 2022 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई है, ताकि पूरे परिवहन और रसद क्षेत्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ श्रमशक्ति और प्रतिभा का सृजन किया जा सके। इस केंद्रीय विश्वविद्यालय को रेलवे, शिपिंग, बंदरगाहों, राजमार्गों, सड़कों, जलमार्गों और विमानन आदि में काम करने के लिए अनिवार्य किया गया है।

मांग-संचालित पाठ्यक्रम और भारतीय रेलवे के सभी केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए, जीएसवी प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, प्रबंधन और नीति में पेशेवरों का एक संसाधन पूल बनाएगा जिसमें बहु-विषयक शिक्षण (स्नातक/स्नातकोत्तर/डॉक्टरेट), कार्यकारी प्रशिक्षण और अनुसंधान शामिल हैं। जीएसवी भारतीय रेलवे के परिवीक्षाधीनों और सेवारत अधिकारियों के लिए भी प्रशिक्षण लेगा।

उद्योग-संचालित और नवाचार-संचालित विश्वविद्यालय होने के नाते, जीएसवी का दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों और उद्योगों के साथ सहयोग पर बहुत अधिक ध्यान है। उद्योगों के साथ तालमेल बनाते हुए, यह अपने पाठ्यक्रम को अकादमिक रूप से कठोर होने के साथ-साथ प्रासंगिक भी बनाएगा और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच बनाएगा।

परिवहन और रसद क्षेत्रों में विकास को गति देने वाले ज्ञान और कार्यों के निर्माण, आत्मसात करने और उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए नवाचार के नेतृत्व वाला, उद्योग संचालित विश्वविद्यालय।

मिशन

· "विश्व में सर्वश्रेष्ठ" भविष्य की शिक्षा और अनुसंधान

- "दुनिया में सर्वश्रेष्ठ" भविष्य की शिक्षा और अनुसंधान विश्वसनीयता, कठोरता और प्रासंगिकता पर आधारित है।
- जी. एस. वी. के लिए उद्योग और हितधारकों के साथ प्रभावी सहयोग परिवहन और रसद पारिस्थितिकी तंत्र का "केंद्र बिंदु" होगा।
- एक विकसित भारत के लिए आजीवन सीखने के प्रतिमानों को बढ़ावा देने के लिए पेशेवर कार्य नैतिकता और संस्कृति को आत्मसात और आंतरिक बनाना।

मूल्य

- जीएसवी अकादमिक उत्कृष्टता, राष्ट्र निर्माण, करुणा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के मूल्यों को बनाए रखेगा।
- नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति वचनबद्धता: भारतीय समस्याओं के लिए स्वदेशी समाधान प्रदान करने के लिए नवाचार, जिज्ञासा और महत्वपूर्ण सोच के माध्यम से यथास्थिति को चुनौती दें।
- सभी व्यक्तियों और समाज के प्रति सहानुभूति: समाज के सभी सदस्यों के लिए निष्पक्षता और समानता की भावना को बनाए रखें, उदाहरण के रूप में नेतृत्व करें और दूसरों को सफल होने में मदद करें; आत्म-खोज और उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध रहें।
- पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व: विचारों के प्रति खुले रहें और पर्यावरण और ग्रह के प्रति सहानुभूति रखें, पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विचारों को लागू करें।

विश्वविद्यालय के बारे में।

गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी), परिवहन और रसद क्षेत्र में भारत का पहला विश्वविद्यालय, अगस्त 2022 में संसद द्वारा पारित केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम 2022 के माध्यम से स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है।

विश्वविद्यालय अनुभवात्मक शिक्षा, बहु-विषयक अनुसंधान और शिक्षा-उद्योग इंटरफेस के माध्यम से रसद और परिवहन-केंद्रित अनुप्रयुक्त शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल और अनुसंधान प्रदान करने के अपने अनूठे मूल्य प्रस्ताव पर कायम है। संस्थान उद्योग की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए एक मांग-संचालित पाठ्यक्रम का पालन करता है।

जीएसवी रसद क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान का नेतृत्व करने का इरादा रखता है-"परिवहन और रसद क्षेत्रों में विकास को गति देने वाले ज्ञान और कार्यों की उत्कृष्टता के निर्माण, आत्मसात करने और प्रदान करने के लिए नवाचार-नेतृत्व, उद्योग-संचालित विश्वविद्यालय"।

जी. एस. वी. विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों को निष्पादित करता है:

- B.Tech। (रेल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिक इंजीनियरिंग)
- B.Tech। (रेल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सिविल इंजीनियरिंग)
- B.Tech। (रेल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग)
- बी. एससी. (परिवहन प्रौद्योगिकी)
- बीबीए (परिवहन प्रबंधन)
- एमबीए (लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाय चेन मैनेजमेंट)
- एमबीए (परिवहन अर्थशास्त्र और प्रबंधन)

विश्वविद्यालय की विशेष विशेषताएं

जीएसवी अपनी रसद लागत को वर्तमान 14 % से घटाकर 8-9% करने की राष्ट्र की आकांक्षा को सक्षम बनाने के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण में विभिन्न पहल कर रहा है। परिवहन क्षेत्र भारत के लिए एक विकास इंजन है जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.3 प्रतिशत का योगदान देता है। विश्वविद्यालय देश में मल्टी-मॉडल परिवहन और रसद के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी, रसद और प्रबंधन आयामों सहित मांग संचालित पाठ्यक्रम प्रदान करता है। भारत ने उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। पिछले एक दशक के दौरान लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में वृद्धि हुई है और व्यवसाय करने में आसानी बढ़ी है। इसका श्रेय प्रतिस्पर्धी सरकारी नीतियों और मेक इन इंडिया कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने को जाता है। पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान अपनी अनूठी परियोजनाओं जैसे भारतमाला, सागरमाला, पर्वतमाला, समर्पित माल गलियारा और अन्य के साथ भारत में रसद क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता का लाभ उठाने का इरादा रखता है।

जीएसवी भारत के रसद और परिवहन क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) दोनों स्तरों पर बहु-अनुशासनात्मक कार्यक्रम प्रदान करता है। जीएसवी के कार्यक्रम परिवहन और रसद क्षेत्र में उभरते चुनौतीपूर्ण और विकास के अवसरों को संबोधित करने के लिए प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और नीतिगत आयामों पर केंद्रित हैं। जी. एस. वी. द्वारा प्रस्तुत एक मांग-संचालित पाठ्यक्रम जो उद्योग की प्राथमिकताओं के साथ अच्छी तरह से संरेखित है, परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला डिजाइन, योजना और निष्पादन में अद्वितीय भूमिकाओं और जिम्मेदारियों वाले उम्मीदवारों की भर्ती के लिए संभावित नियोक्ताओं (सार्वजनिक और निजी दोनों) को निमंत्रित करता है।

जीएसवी भंडारण, भूमि परिवहन, रेल रसद, शीत श्रृंखला समाधान, कूरियर और एक्सप्रेस उद्योग, ई-कॉमर्स, बंदरगाह टर्मिनल, कंटेनर माल ढुलाई, टर्मिनल प्रबंधन, माल अग्रेषण और सीमा शुल्क, आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण और समाधान जैसे क्षेत्रों में उभरते रोजगार के अवसरों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रबंधन दोनों में यूजी और पीजी स्तर पर कार्यक्रम प्रदान करता है।

जीएसवी के छात्र रसद/एससीएम प्रबंधक, खरीद प्रबंधक, ग्राहक संबंध प्रबंधक, आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली विकासकर्ता, गोदाम प्रबंधक, माल अग्रेषण, रसद समन्वयक, रसद और परिवहन प्रणाली विश्लेषक और ई-कॉमर्स व्यवसाय विकासकर्ता जैसी भूमिकाओं में योगदान करने के लिए पर्याप्त कौशल और दक्षताओं से लैस हैं। स्नातक परिवहन और रसद प्रणालियों की नीति, योजना और डिजाइन चरणों में योगदान करने के लिए दक्षता प्राप्त करते हैं।

छात्रों को सीमेंस, डी. टी. डी. सी., अल्ट्राटेक, अंबुजा सीमेंट, कैडिला फार्मास्युटिकल्स, एन. एच. एस. आर. सी. एल., RITEs, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, ALSTOM. रेलटेल, अडानी लॉजिस्टिक्स, डालमिया सीमेंट्स, DHL, हिताची, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स आदि जैसे कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रमुख संगठनों में इंटरनशिप और प्लेसमेंट के अवसर प्राप्त हुए।

"जीएसवी में पाठ्यक्रम को कई स्तरों पर आपूर्ति श्रृंखलाओं के डिजाइन, एकीकरण और समन्वय के लिए प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल के लिए सिद्धांतों, विधियों और उपकरणों में एक मजबूत नींव विकसित किया गया है, जो एक तेज गति वाले व्यावसायिक वातावरण के लिए अभिनव और गतिशील समाधान लाता है।

पाठ्यक्रम, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी, बिजली प्रणालियों और परियोजना प्रबंधन, जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में परियोजना आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान करता है। वित्तीय पोषण, डेटा विश्लेषण और अनुकूलन, बुद्धिमान परिवहन प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स, परिवहन सुरक्षा, गतिशील मूल्य निर्धारण, लॉजिस्टिक्स और भंडारण प्रणाली, मल्टी-मॉडल परिवहन मॉडल तैयार करना, टिकाऊ और समावेशी परिवहन, और यातायात प्रबंधन और नियंत्रण।

भारतीय रेलवे छात्र समुदाय के साथ-साथ संकाय विकास पहलों के लिए एक अनुभवात्मक शिक्षण प्रयोगशाला के रूप में काम करता है, एक अत्यधिक अनुभवात्मक और अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से विश्वविद्यालय का एक अलग चरित्र का निर्माण होता है।

जीएसवी परिवहन क्षेत्र में तकनीकी प्रगति जैसे परिवहन में एम2एम संचार, इलेक्ट्रिक ट्रक, बुद्धिमान सार्वजनिक परिवहन, सेल्फ-ड्राइविंग ऑटोमोबाइल और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में अनुसंधान और प्रशिक्षण शुरू करके लाभदायक रोजगार के लिए वांछित दक्षता प्रदान करता है।

संगठन संरचना

अधिनियम और कानूनों के तहत वैधानिक निकायों का गठन किया गया है, जो संस्थान के प्रशासनिक कामकाज को नियंत्रित और निर्देशित करते हैं। संस्थान के वैधानिक निकाय न्यायालय, कार्यकारी परिषद (ईसी), शैक्षणिक परिषद (एसी) और वित्त समिति (एफसी) हैं।

इन अधिकारियों की रचनाएँ इस प्रकार हैं:

1. कोर्ट : कोर्ट के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

2. कार्यकारी परिषद (ईसी): कार्यकारी परिषद विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। जी. एस. वी. की पहली कार्यकारी परिषद में 11 सदस्य हैं, जिनकी अध्यक्षता कुलपति करते हैं। निम्नलिखित सदस्य हैं:

ई. सी. का गठन



Prof. Manoj Choudhary
Vice Chancellor, GSV
Ex-officio - Chairperson



Mr. Sudhanshu Pant
Secretary, Ministry of Ports,
Shipping and Waterways,
Govt. of India



Ms. Anjali Goel
Member- Finance, Railway
Board, Ministry of Railways,
Govt. of India



**Prof. Rishikesh
Krishnan**
Director, IIM Bangalore



Prof. Rajat Moona
Director, IIT
Gandhinagar



Mr. Remi Maillard
President & Managing
Director, Airbus India &
South Asia



Mr. Sunil Mathur
Managing Director &
Chief Executing Officer,
Siemens Ltd., India



Ms. Geeta Gurnani
Chief Technology Officer
& Technical Sales Leader
(for India and South
Asia), IBM



Mr. Pradeep Gaur
Chairman & Managing
Director, Rail Vikas



Mr. Neelkanth Mishra
Chief Economist - Axis Bank,
Head of Global Research -



Prof. Jitesh J. Thakkar
Dean - Academics, GSV



Mr. T V Ananthasubramanian
Registrar, GSV
Ex-officio - Secretary

3. अकादमिक परिषद (ए. सी) : अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों पर समन्वय और सामान्य पर्यवेक्षण करने के लिए विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। शैक्षणिक परिषद के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

4. वित्त समिति (एफ. सी.): वित्त समिति विश्वविद्यालय के वित्त और खातों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। आगंतुक और कार्यकारी परिषद के नामितों के साथ वित्त समिति का गठन प्रगति पर है।

5. अध्ययन बोर्ड (बी. ओ. एस.): शैक्षणिक परिषद के समग्र नियंत्रण और पर्यवेक्षण के अधीन, अध्ययन बोर्ड के कार्य विभिन्न डिग्री और अनुसंधान डिग्री की अन्य आवश्यकताओं के लिए अनुसंधान के लिए विषयों को मंजूरी देना और संबंधित स्कूल बोर्ड को अध्यादेशों द्वारा निर्धारित तरीके से सिफारिश करना होगा; अध्ययन के पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षकों की नियुक्ति, लेकिन अनुसंधान डिग्री को छोड़कर; अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति; और अनुसंधान डिग्री की सुधार के लिए उपाय।

6. अन्य समितियाँ: विश्वविद्यालय ने सुचारू रूप से काम करने और नियामक अनुपालन के लिए विभिन्न अन्य समितियों का गठन किया है। ये समितियाँ हैं

क्र.सं.	समिति और संविधान	संदर्भ की शर्तें (टी.ओ.आर)
आंतरिक शिकायत समिति (आई. सी. सी.)		
1	सुश्री श्वेता जैन, डी. एफ. ओ. (चेयरपर्सन) डॉ. अभिलाषा सक्सेना, सहायक प्रो. डॉ. ज्योति शर्मा, सहायक प्रो. डॉ. वेंकट चिंतला, सहायक प्रो. श्री कृष्ण कुमार, उप-पंजीयक छात्र प्रतिनिधि – रश्मि तोमर-एमबीए राज नंदिनी-बी. टेक (अंतिम वर्ष) बाहरी सदस्य- प्रो. प्रो. कल्पना पारीक(सेवानिवृत्त)	यह प्रारंभिक आंतरिक निकाय है जिसे पीड़ित महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत दर्ज करने के लिए संपर्क किया जाना चाहिए; विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित नीति को लागू करने और पीड़ित पक्ष की शिकायतों को हल करने और सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली उपयुक्त कार्रवाई की सिफारिश करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।
लैंगिक संवेदीकरण समिति		
2	डॉ. अभिलाषा सक्सेना, सहायक प्रोफेसर (अध्यक्ष) प्रो. आर. एडविन राज डॉ. ज्योति शर्मा, सहायक प्रो. श्री कृष्ण कुमार, उप-पंजीयक छात्र परामर्शदाता छात्र प्रतिनिधि - शिवानी सोनी-एमबीए (द्वितीय वर्ष) आदित्य मदन देशमुख-तीसरी वर्ष बी. टेक	• सकारात्मक मूल्यों का निर्माण करना जो लिंग और उनके अधिकारों दोनों का समर्थन करते हैं। • बिना किसी लैंगिक मुद्दे के संस्थान की सभी गतिविधियों में कर्मचारियों और छात्रों को समग्र मार्गदर्शन प्रदान करना। • कानून और सामाजिक व्यवस्था में समानता के संबंध में जागरूकता पैदा करना। • आवश्यक जानकारी एकत्र करके कर्मचारियों/छात्रों की चिंता के मुद्दों की जांच करना। • संबंधित कर्मचारियों/छात्रों को प्रतिक्रिया देना/इस संबंध में शिकायतों का समाधान खोजना प्रदान करना। • छात्रों और कर्मचारियों में विश्वास पैदा करने के लिए समस्या समाधान की सिफारिश करना; लैंगिक संवेदनशीलता के मामलों पर कार्यशालाओं और वार्ताओं की व्यवस्था करना; जरूरतमंद लोगों को परामर्श सहायता प्रदान करना।

क्र.सं	समिति और संविधान	संदर्भ की शर्तें (टी.ओ.आर)
एंटी रेजिंग कमेटी (ए. आर. सी.)		
3	डीन (एस. डब्ल्यू.) (अध्यक्ष) छात्रावास वार्डन पुलिस निरीक्षक, मकरपुरा पुलिस स्टेशन मीडिया-श्री नीलेश ढोलकिया, इंडियन एक्सप्रेस गैर सरकारी संगठन-श्री निशीथ देसाई, वडोदरा लायंस क्लब डी. पंजीयक-संयोजक अभिभावक प्रतिनिधि (2) छात्र प्रतिनिधि – चारुष्मिता गर्ग-अंतिम वर्ष बी. टेक अनुपम बरुआ-अंतिम वर्ष, बी. एससी. चांदनी मौर्य-एमबीए	छात्रों को रैगिंग के कृत्यों के खिलाफ संवेदनशील बनाना और परिसर में रैगिंग के किसी भी कार्य/प्रयास को रोकना और इन नियमों के प्रावधानों के साथ-साथ रैगिंग से संबंधित किसी भी कानून के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना; और संस्थान में रैगिंग की रोकथाम के लिए एंटी-रैगिंग दस्ते के प्रदर्शन की निगरानी करना।
एंटी-रैगिंग स्क्वॉड (एआरएस)		
4	छात्रावास वार्डन उप वार्डन अरिन कटियार-अंतिम वर्ष, बी. टेक विवेक यादव-द्वितीय वर्ष बी. टेक अद्रिजा बोस-द्वितीय वर्ष बी. टेक देवेश त्रिपाठी-द्वितीय वर्ष बीबीए	सतर्कता बनाए रखने, निगरानी करने और सतर्कता लागू करने के लिए गश्त करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिसर में रैगिंग का कोई कार्य न हो। छात्रावासों और घटनाओं की चपेट में आने वाले अन्य स्थानों का अचानक दौरा करना और किसी भी घटना की मौके पर जांच करना और किसी भी हस्तक्षेप/कार्रवाई के लिए इसे रैगिंग रोधी समिति को भेजना।
एससी/एसटी/ओ. बी. सी. स्थायी समिति		
5	कुलपति डीन (एसडब्ल्यू) पंजीयक संपर्क अधिकारी (डॉ. वेंकट चिंतला) श्री हुबलाल जगन (डीसी-एचआर) डॉ. प्रदीप सरोज, सहायक प्रो.-संयोजक	विश्वविद्यालय में प्रवेश और भर्ती दोनों में नियमों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की देखरेख करना। विश्वविद्यालय में प्रवेश, शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर नियुक्तियों के संबंध में नीतियों के कार्यान्वयन के संबंध में डेटा एकत्र करना और जांच करना और आरक्षण नीति के पालन पर आवश्यक सलाह जारी करना।

एससी/एसटी/ओ. बी. सी. सेल

6	संपर्क अधिकारी-(डॉ. वी. चिंतला) डीन, शिक्षाविद डीन, छात्र कल्याण डॉ. प्रदीप सरोज, सहायक प्रो. डॉ. अभिलाषा सक्सेना, सहायक प्रो. श्री हुबलाल जगन-संयोजक	विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना। विश्वविद्यालय में प्रवेश, शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर नियुक्तियों के संबंध में नीतियों के कार्यान्वयन के संबंध में डेटा एकत्र करना और आवश्यक कोटा को पूरा करने की दिशा में रुझान और परिवर्तन दिखाने वाले डेटा का विश्लेषण करना। विश्वविद्यालय में उनके प्रवेश, भर्ती, पदोन्नति और इसी तरह के अन्य मामलों के संबंध में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों से प्राप्त अभ्यावेदनों से निपटना। यदि विश्वविद्यालय में अनुमोदित किया जाता है तो उपचारात्मक प्रशिक्षण योजना के कामकाज की निगरानी करना। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों और कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के रूप में कार्य करना और उन्हें उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने में आवश्यक सहायता प्रदान करना। विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के रोजगार के लिए एक रजिस्टर बनाए रखना। आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा से वंचित इन समुदायों के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर सौंपा गया कोई भी अन्य कार्य। एस. सी./एस. टी./ओ. बी. सी. प्रकोष्ठ विशेष रूप से एस. सी./एस. टी./ओ. बी. सी. मामलों से संबंधित काम देखता है और प्रकोष्ठ को कोई अन्य काम नहीं सौंपा जाता है।
---	--	--

इन्फ्रास्ट्रक्चर (प्रयोगशालाएं)

वर्तमान में, गति शक्ति विश्वविद्यालय (जी. एस. वी.) भारतीय रेलवे की राष्ट्रीय अकादमी (एन. ए. आई. आर.) के साथ परिसर औररसद को साझा कर रहा है।

नए शैक्षणिक खंड, प्रयोगशाला भवनों और छात्रावासों का निर्माण

रेल मंत्रालय (आर.बी) ने आर. वी. एन. एल. को एक नए मास्टरप्लान की तैयारी और उसके निष्पादन सहित जी. एस. वी. केरसद के काम के बारे में जी. एस. वी. और गति शक्ति डी. टी. ई./आर. बी. के साथ संवाद करने का निर्देश दिया/दिया है। जीएसवी ने 6 अप्रैल 2023 के पत्र के माध्यम से लालबाग परिसर में प्रस्तावित निर्माण के लिए विस्तृत ढांचागत आवश्यकताएं प्रदान कीं। मौजूदा परिसर में अतिरिक्तरसद में निम्नलिखित शामिल होंगे:

संरचना	किए गए प्रावधान
कक्षा	24 संख्या (140 क्षमता की 4 संख्या) (72 क्षमता की 20 संख्या)
कंप्यूटर लैब	40 क्षमता की 4 संख्याएँ प्रत्येक
सम्मेलन कक्ष	104 सीटें
सभागार	524 क्षमता
कैफे	100 हॉल के अंदर (एसी) और अर्ध आच्छादित स्थान में (गैर एसी)
पार्किंग की जगह	आंशिक तहखाने में 127 चार पहिया वाहन आंशिक तहखाने में 210 दोपहिया वाहन
अतिरिक्त	भविष्य में विस्तार के लिए बाहरी दीवारों और अग्रभाग के साथ 2 अतिरिक्त मंजिलों की योजना बनाई गई

Lab Block/प्रयोगशाला खंड

संरचना	किए गए प्रावधान
प्रयोगशालाएँ	60 संख्याएँ
अतिरिक्त	भविष्य में विस्तार के लिए बाहरी दीवारों और अग्रभाग के साथ 2 अतिरिक्त मंजिलों की योजना बनाई गई

Hostel Block/हॉस्टल ब्लॉक

संरचना	किए गए प्रावधान
आवास की व्यवस्था	629 दोहरे कमरे
शौचालय।	साझा सामान्य शौचालय/स्नान सुविधाएं
मेस	524 सीटों वाली मेस
इंडोर स्पोर्ट्स	जी. एफ. एंड एफ. एफ. पर इनडोर स्पोर्ट्स और रीडिंग रूम के लिए पर्याप्त जगह
पार्किंग	भूओंतरिक्ष में दो पहिया वाहनों की संख्या 150
अतिरिक्त मंजिलें	वी. एम. सी. के अनुसार ऊंचाई प्रतिबंधों के कारण समायोजित नहीं

इसके अलावा, अतिरिक्त परिसर के लिए ~ 109.3 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसमें से 77.5 एकड़ सरकारी भूमि (बाकी निजी) है।

नई इमारतों के अवधारणात्मक चित्र

नया अकादमिक ब्लॉक



छात्रावास ब्लॉक



लैब ब्लॉक



प्रयोगशाला अवसंरचना और अनुभवात्मक सुविधाएँ



चित्र. लैब्स ब्लॉक-2 में नई प्रयोगशालाएँ विकसित की गईं



चित्र. भूविज्ञान प्रयोगशाला





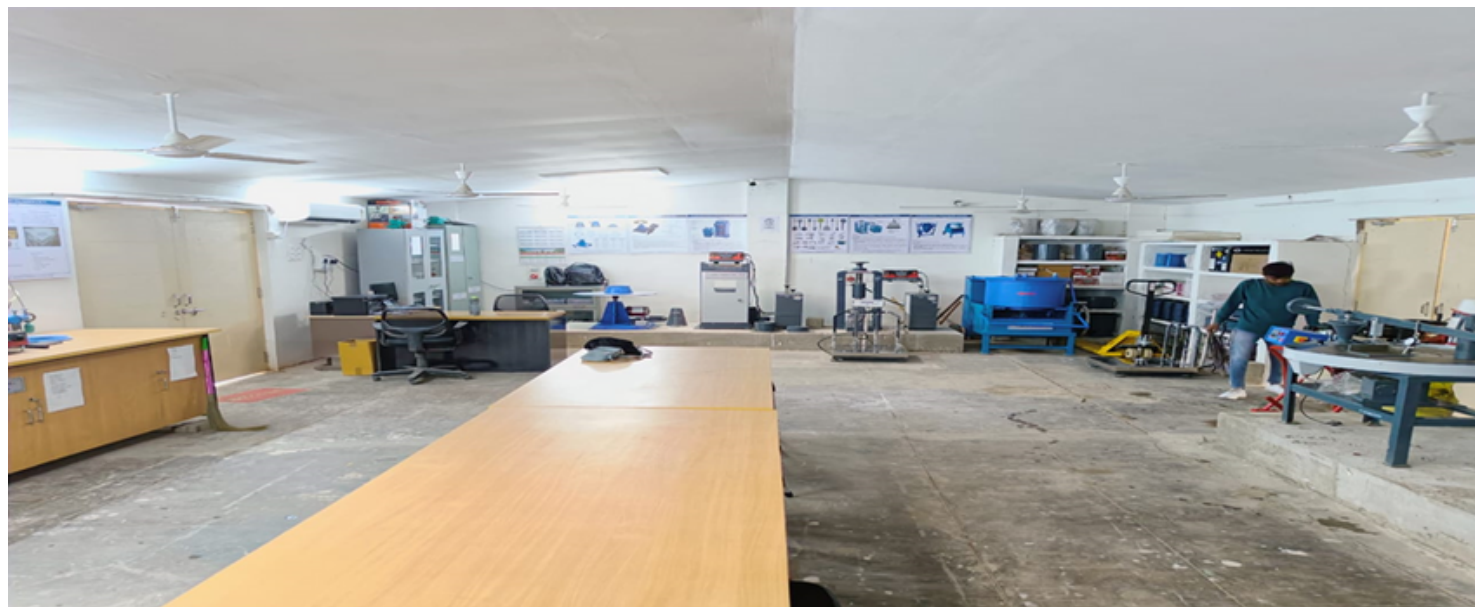
चित्र. द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला



इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग



चित्र सिमुलेशन लैब



चित्र.भवन निर्माण सामग्री प्रयोगशाला में प्रयोग



चित्र. सामग्री प्रयोगशाला में प्रयोग



चित्र. इलेक्ट्रॉनिक्स लैब में प्रयोग



पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लैब में प्रयोग

प्रायोजित अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

A) परियोजना का शीर्षक: परिवहन और औद्योगिक हीटिंग अनुप्रयोगों के लिए नगरपालिका के मिश्रित प्लास्टिक कचरे का उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टो-ईंधन में सौर पूर्व-गर्म थर्मोकेमिकल रूपांतरण।

वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली

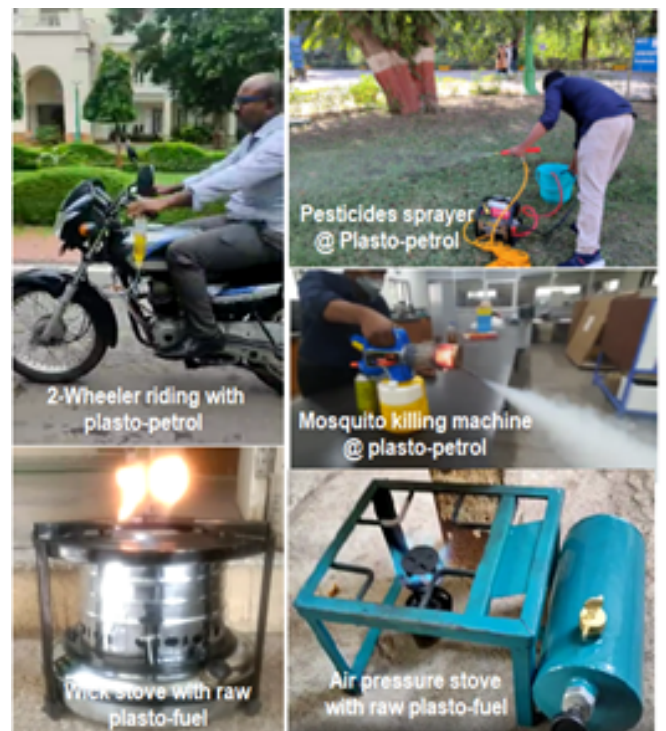
वित्त पोषण राशि: 2.62 करोड़ भारतीय रुपये

प्रमुख अन्वेषक: डॉ. वी. चिंतला

परियोजना की स्थिति: जारी

किए गए कार्य का सारांश:

वडोदरा रेलवे स्टेशन (बी. आर. सी.) यार्ड, वडोदरा, गुजरात में लगभग डेढ़ से दो टी. पी. डी. प्लास्टिक कचरे का थर्मो-कैटेलेटिक डिपॉलिमराइजेशन (टी. सी. डी.) संयंत्र स्थापित किया गया था। यह संयंत्र नगरपालिका लैंडफिल, रेलवे स्टेशनों, आवासीय समुदायों, उद्योगों और विश्वविद्यालय परिसरों आदि सहित रेलवे प्रतिष्ठानों से एकत्र किए गए सभी प्रकार के मिश्रित प्लास्टिक कचरे को परिवर्तित करने के लिए पर्याप्त है। संयंत्र से तीन उत्पाद अर्थात् प्लास्टिक-ईंधन (तरल उत्पाद), प्लास्टिक-गैस (गैसीय उत्पाद) और प्लास्टिक-चार (ठोस उत्पाद) का उत्पादन किया जा रहा है। मकरपुरा लैंडफिल साइट से एकत्र किए गए पश्चिमी रेलवे प्लास्टिक कचरे (बी. आर. सी.) और वडोदरा नगर निगम (वी. एम. सी.) प्लास्टिक कचरे का सफल परीक्षण किया गया। उत्पादित प्लास्टो-ईंधन का उपयोग दोपहिया, कृषि इंजन/पंप सेट, विद्युत जनरेटर सेट, रेल अपघर्षक कटर, कृषि कीटनाशक स्प्रेयर मशीन और अन्य हीटिंग उपकरणों (औद्योगिक बर्नर), घरेलू वायु-दबाव स्टोव, घरेलू बाती स्टोव आदि जैसे अनुप्रयोगों



चित्र. वडोदरा रेलवे स्टेशन पर स्थापित थर्मो-कैटेलेटिक डिपॉलिमराइजेशन संयंत्र और उत्पादित उत्पादों का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है।

B) परियोजना का शीर्षक: आपदा प्रतिरोधी सतह परिवहन अवसंरचना: जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के प्रबंधन के लिए एक प्रणाली दृष्टिकोण

वित्तपोषण एजेंसी: ब्रिटिश काउंसिल, यूनाइटेड किंगडम (यूके), यूके सरकार।

वित्त पोषण राशि: 14.1 लाख भारतीय रुपये

प्रधान अन्वेषक @भारत: डॉ. वी. चिंतला

परियोजना की स्थिति: पूरा किया गया

सारांश:

इस परियोजना का उद्देश्य आपदा प्रतिरोधी सतह परिवहन के विषय पर वैश्विक मानकों पर सामग्री, गुणवत्ता, वितरण और मूल्यांकन के सामान्य ढांचे का निर्माण करना था। परियोजना के तहत सड़क और रेल सहित सभी सतह परिवहन साधनों को शामिल किया गया था। आपदा से पहले और बाद के पहलुओं के संदर्भ में रेल परिवहनरसद को भारतीय भागीदार द्वारा संबोधित किया गया था।

C) Title: A study on the problems and conjectures in univalent function theory

परियोजना का शीर्षक: असमान कार्य सिद्धांत में समस्याओं और अनुमानों पर एक अध्ययन

परियोजना का नाम-मुख्य अनुसंधान अनुदान (सी. आर. जी.)

वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एस. ई. आर. बी.), डी. एस. टी., भारत सरकार

प्रधान अन्वेषक (पी. आई.): डॉ. नवनीत लाल शर्मा

वित्तपोषण राशि: रु। 2018764/- (केवल बीस लाख अठारह हजार सात सौ चौंसठ)

स्थिति: जारी (अगस्त 2022 से मार्च 2025 तक)

सारांश: इस प्रस्ताव में अविभाज्य कार्य सिद्धांत (यू. एफ. टी.) में समस्याओं की विस्तृत श्रृंखला शामिल है। लघुगणक गुणांक (एल. सी.) और क्रमिक गुणांक के लिए तेज सीमा का अनुमान लगाने की समस्या भी सामान्यीकृत विश्लेषणात्मक अविभाज्य कार्यों (एस.) के वर्ग में होने के लिए एक दिलचस्प समस्या है। ये गुणांक यू. एफ. टी. में विभिन्न अनुमानों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस परियोजना में, हम लघुगणक गुणांक (एल. सी.) और व्युत्क्रम लघुगणक गुणांक से संबंधित खुली समस्याओं को हल करेंगे। एल. सी. से प्रेरित, यहाँ हम एक नया दृष्टिकोण देंगे और जब निकट-से-उत्तल और सर्पिल जैसे कार्यों के परिवारों में होगा तो लॉगरिदमिक शक्ति श्रृंखला के लिए बोहर असमानताएँ प्राप्त करेंगे। एस के मानक उपवर्गों के लिए बोहर-रोगोसिंस्की की त्रिज्या पर चर्चा करना और प्राप्त करना एक अन्य उद्देश्य है जिसमें अधीनस्थ संबंध हैं। एस के कई उपवर्गों के लिए हॉल का अनुमान उपलब्ध नहीं है। इस तथ्य से प्रेरित होकर, हम एस के कुछ विशेष वर्गों के लिए हॉल अनुमान का एनालॉग प्राप्त करेंगे। इस परियोजना के हमारे उद्देश्य कुछ खुली समस्याओं को हल करना और विभिन्न क्षेत्रों में नए अनुप्रयोगों की पहचान करना है।

नई पहल

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय उद्योग की मांग और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इंजीनियरिंग में निम्नलिखित नए स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

1. B.Tech. परिवहन और रसद में विशेषज्ञता के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान में
2. B.Tech रेल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इन प्रस्तावों को मंजूरी के लिए कार्यकारी परिषद के पास भेजा जा रहा है।

पाठ्यक्रम संशोधन और उन्नयन

विश्वविद्यालय ने व्यापक रूप से आई. डी. 1 पाठ्यक्रमों की समीक्षा और उन्नयन किया और रेलवे और परिवहन से संबंधित विषयों से संबंधित लगभग 15 प्रतिशत सामग्री जोड़ी। B.Tech स्तर पर प्रत्येक विशेषज्ञता के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में सामान्य पाठ्यक्रमों के माध्यम से अद्वितीय प्रस्ताव शामिल हैं:

- डिजाइन थिंकिंग
- बहुआयामी परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय

- मैटलैब अनुकरण का उपयोग करते हुए संख्यात्मक विधियाँ
- इंजीनियरिंग अभ्यास में नैतिकता
- इंजीनियरिंग अर्थशास्त्र, लागत, अनुमान और निविदा
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग
- उद्यमिता और नवाचार
- लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- संचालन अनुसंधान

प्रख्यात आगंतुक संकाय की भागीदारी

विश्वविद्यालय शिक्षण में नियमित संकायों के पूरक के रूप में आई. आई. टी., आई. आई. एम. और उद्योग के प्रमुख आगंतुक संकायों को शामिल कर रहा है।

क्रम संख्या	संकाय का दौरा करना	पदनाम	संबद्धता
1	डॉ. एल एस गणेश	पूर्व-आईआईटी प्रोफेसर और कुलपति	एचई के लिए आईसीएफएआई फाउंडेशन
2	डॉ. मुकुल चाँदोरकर	प्रोफेसर	आईआईटी, बॉम्बे
3	डॉ. भोला राम गुजर	प्रोफेसर	आईआईटी रुड़की
4	डॉ. कमल के शर्मा	प्रोफेसर	आईआईएम कोझिकोड
5	डॉ. गॉडविन टेनीसन	प्रोफेसर	आईआईएम, तिरुचिरापल्ली
6	प्रो नीलाद्रि चटर्जी	प्रोफेसर	आईआईटी दिल्ली
7	डॉ. निलय खरे	प्रोफेसर	एनआईटी भोपाल
8	डॉ एस के कटियार	प्रोफेसर	मैनिट भोपाल
9	डॉ हसमुख गुज्जर	सह - प्राध्यापक	आईआईएम इंदौर
10	डॉ. बाबजी श्रीनिवासन	सह - प्राध्यापक	आईआईटी मद्रास
11	डॉ. रवि हेगड़े	सह - प्राध्यापक	आईआईटी गांधीनगर
12	डॉ.सतीश दुर्योधन	सीईओ और मुख्य संरक्षक	आईआईएम अहमदाबाद
13	श्री ओ पी अग्रवाल	सीईओ, विश्व संसाधन	डब्ल्यूआरआई
14	डॉ. जी रघुराम	पूर्व निदेशक, आईआईएमबी	बैंगलोर
15	डॉ. मुकुंद त्रिकंडे	वैज्ञानिक 'एच', वीआरडीई में 19 वर्ष के निदेशक	डीआरडीओ

नवाचार और ऊष्मायन प्रकोष्ठ की स्थापना

जीएसवी ने छात्रों द्वारा नवाचारों का नेतृत्व करने और उद्योग के सहयोग से ऊष्मायन कोशिका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक नवाचार और ऊष्मायन प्रकोष्ठ स्थापित करने की योजना बनाई है।

सहयोग

विश्वविद्यालय ने चेतक लॉजिस्टिक्स की सीएसआर शाखा चेतक फाउंडेशन के साथ सहयोग और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन के दायरे में एक छात्रा को छात्रवृत्ति प्रदान करना और जीएसवी छात्रों को इंटरनशिप/प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करना शामिल है। शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग भागीदारों के साथ कई अन्य समझौता ज्ञापन तैयार किए जा रहे हैं।

वित्तीय सहायता/छात्रवृत्ति

जीएसवी वित्तीय सहायता

जी. एस. वी. जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को आय के दो आय श्रेणियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 1 लाख और 1 से 3 लाख के बीच की आय। स्लैब-I के तहत वित्तीय सहायता के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों को शिक्षण शुल्क के 100% और छात्रावास शुल्क के 50 प्रतिशत के बराबर सहायता दी जाती है और स्लैब-II के तहत छात्रों को शिक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत और छात्रावास शुल्क का 25 प्रतिशत मिलता है। छात्रावास शुल्क वित्तीय सहायता केवल स्नातक छात्रों पर लागू होती है।

विश्वविद्यालय ने 102 छात्रों को 5 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। 1,08,29,801/- शैक्षणिक वर्ष के दौरान 2022-23 नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:

क्रम संख्या	कार्यक्रम	बैच	एफए प्राप्त छात्रों की संख्या
1	बी. टेक	2020-24	17
2	बी. टेक	2021-25	19
3	बी. टेक	2022-26	18
4	बीबीए/बीएससी.	2020-23	10
5	बीबीए/बीएससी.	2021-24	18
6	बीबीए	2022-25	4
8	एम.एससी	2021-23	4
9	एमबीए	2022-24	12
एफए प्राप्त छात्रों की कुल संख्या			102

छात्रवृत्ति संस्थान (बाहरी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित)

विश्वविद्यालय द्वारा 20 प्रतिशत तक भर्ती छात्रों को प्रदान की जाने वाली मौजूदा वित्तीय सहायता के अलावा, विश्वविद्यालय ने छात्रों को लाभान्वित करने के लिए निजी छात्रवृत्ति के लिए एक योजना भी शुरू की है। ऐसी ही एक छात्रवृत्ति, चेतक जय कृष्ण गर्ल्स स्कॉलरशिप, एक छात्रा के लिए चेतक फाउंडेशन, नई दिल्ली से वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गई है जो चेतक समूह की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी. एस. आर.) शाखा है।

जी. एस. वी. में वर्तमान में 12 पूर्णकालिक (नियमित) संकाय हैं। छायाचित्रों के साथ संकायों का विवरण नीचे दिया गया है:

 Dr. Jitesh J. Thakkar Dean Academics Ph.D (IIT Delhi)	 Dr. Chandi Prasad Nanda Dean Students' Welfare Ph.D (JNU)	 Dr. R Edwin Raj Professor Ph.D (IIT Delhi)	 Dr. V. Chintala Associate Professor Ph.D (IIT Delhi)
 Dr. Sunil Kr. Sharma Assistant Professor Ph.D (IIT Roorkee)	 Dr. Abhilasha Saksena Assistant professor Ph.D (Tokuhu University)	 Dr. Hari K. Gaddam Assistant Professor Ph.D (IIT Delhi)	 Dr. Ram K. Upadhyay Assistant Professor Ph.D (IIT Dhanbad)
 Dr. Pradeep Assistant Professor Ph.D (IIT Hyderabad)	 Dr. Jyoti Sharma Assistant Professor Ph.D (University of Delhi)	 Dr. Pradeep Kr. Saroj Assistant Professor Ph.D (IIT Dhanbad)	 Dr. Navneet Lal Sharma Assistant Professor Ph.D (IIT Indore)

संकाय-अनुसंधान और प्रकाशन

डॉ. सी. पी. नंदा	
प्रकाशन	(1). वर्नाक्युलराइज़ेशन पेस्ट: ओडिशा: महाभारत से 'आधुनिकता', (प्रीतिश आचार्य और श्री कृष्ण के साथ सह-लेखक), प्राइमस बुक्स, 2022। (2). एन. ए. ए. जी. सहकर्मी दल के सदस्य समन्वयक ने फरवरी 2023 में चेन्नई में एच. ई. आई. का आकलन करने के लिए दौरा किया।
आमंत्रित भाषण	(1). एचआरडीसी, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा 24/01/2023 पर आयोजित इतिहास और पुरातत्व में एक पुनर्स्थापना पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। (2). 25 और 26 मार्च 2023 को "पूर्व-स्वतंत्र भारत में जनजातीय स्वतंत्रता आंदोलन" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 27 मार्च 2023 को बैठक में भाग लिया गया।

प्रो. जितेश ठक्कर	
प्रकाशन	(1). गांधी, एन., कांत, आर., और ठक्कर, जे. जे. (2022), "ट्रिपल बॉटम लाइन दृष्टिकोण का उपयोग करके रेल माल परिवहन का सतत प्रदर्शन मूल्यांकन: भारतीय रेलवे के लिए एक आवेदन, "परिवहन नीति, खंड। 128, पीपी. 254-273। (2). गांधी, एन., कांत, आर., और ठक्कर, जे. जे. (2022), "टिकाऊ रेल माल परिवहन की एक व्यवस्थित वैज्ञानिक समीक्षा", पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, खंड। 29, पीपी. 70746-70771। (3). नादर, आर., झा, जे. के., और ठक्कर, जे. जे. (2022), "मिश्रित कोडित मेमेटिक एल्गोरिदम का उपयोग करके मांग में अस्थायी परिवर्तन के तहत एम्बुलेंस स्थान", रायरो-संचालन अनुसंधान, खंड। 56, पीपी. 2967-2997।
आमंत्रित भाषण	कृषि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए बहु-मॉडल लॉजिस्टिक्स, 13 मार्च 2023, एम. ए. एन. आई. टी. भोपाल मल्टी-मोडल परिवहन: डिजाइन और प्रमुख मुद्दे, 8 मार्च 2023, एन. आई. टी. कालीकट भारत में माल ढुलाई में मुद्दे और चुनौती, 2 मार्च 2023, एन. आई. टी. कालीकट मल्टीमॉडल परिवहन नेटवर्क डिजाइन, 8 जनवरी 2023, आई. आई. टी. दिल्ली
जीएसवी भागीदारी	डीन (अकादमिक) अध्यक्ष (संकाय चयन समिति) अध्यक्ष (प्रवेश समिति)
डॉ. सुनील कुमार शर्मा	
प्रकाशन	भारद्वाज, एस., शर्मा, आर. सी., शर्मा, एस. के., गोपाल राव, एल., और वशिष्ठ, ए. (2023)। सीट टू हेड ट्रांसमिसिबिलिटी एनालिसिस के लिए बायोमैकेनिकल मानव शरीर मॉडल का मॉडलिंग। शोर और कंपन दुनिया भर में, 54 (2-3), 62-74। //डोई. ओआरजी/10.1177/09574565231154243
डॉ. राम कृष्ण उपाध्याय	
किताबें	विक्रम कुमार, अविनाश कुमार अग्रवाल, आशुतोष जेना, राम कृष्ण उपाध्याय, इंजन ट्राइबोलॉजी में प्रगति। ऊर्जा, पर्यावरण और स्थिरता। स्पिंगर नेचर, सिंगापुर, (2022)।
डॉ. हरिकृष्णा गद्दाम	
प्रकाशन	हरि कृष्ण गद्दाम और के. रामचंद्र राव (2022) गैर-लेन आधारित मिश्रित यातायात वातावरण के लिए उच्च क्रम निरंतरता मॉडल का अंशान्कन और मूल्यांकन, परिवहन पत्र, डीओआई: 10.1080/19427867.2022। 2160559.IF: SCI। IF.2.821
आमंत्रित भाषण	(1). ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा प्रायोजित ए. टी. ए. एल. एफ. डी. पी. कार्यक्रम परिवहन प्रणाली प्रबंधन और संचालन में "पैदल यात्री और यात्री स्तर की सेवा और परिवहन प्रणालियों में पहुंच का आकलन-सार्वभौमिक डिजाइन अवधारणा और मामले का अध्ययन" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थान (सी. एफ. टी. आई.), गनी खान चौधरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित। (2). ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा प्रायोजित ए. टी. ए. एल. एफ. डी. पी. परिवहन प्रणाली प्रबंधन और संचालन में "यातायात प्रवाह विश्लेषण, प्रबंधन और संचालन में मौलिक आरेखों की भूमिका" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया-पी. एम. गतिशक्ति योजना के तहत, दिनांक 4/2/2023। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थान (सी. एफ. टी. आई.), गनी खान चौधरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित।
जीएसवी भागीदारी	संकाय समन्वयक (एम. बी. ए. एल. एस. सी. एम.), कैरियर विकास केंद्र सदस्य
परियोजनाएं	यातायात प्रबंधन अध्ययन: अध्ययन और वडोदरा शहर और मध्य एसटी बस स्टैंड के पास यातायात प्रबंधन योजना प्रस्तुत करना। फरवरी 2023 से मई 2023 तक निर्माण गतिविधि के दौरान यातायात की भीड़ को कम करने के लिए यातायात की मात्रा का अध्ययन, पैदल चलने वालों की आवाजाही का अध्ययन और बेहतर यातायात प्रबंधन प्रणाली पर परामर्श सलाहकार सेवाएं; निर्माण गतिविधि पूरी होने तक शहर और जी. एस. आर. टी. सी. बसों की आवाजाही के लिए यातायात परिवर्तन योजना और वैकल्पिक मार्ग। संगठन का नाम एल एंड टी कंस्ट्रक्शन हैवी सिविलरसद है। परामर्श कार्य की लागत: रु। 2, 041, 40/- (केवल दो लाख चार हजार एक सौ चालीस रुपये)।

डॉ. नवनीत शर्मा	
आमंत्रित भाषण	(1). वार्ता का शीर्षक: अतुलनीय कार्य सिद्धांत पर, सेल्कुक विश्वविद्यालय तुर्की, अक्टूबर 20-22, 2022 (2). आमंत्रित वार्ता: अविभाज्य कार्यों के कुछ परिवारों में लघुगणक गुणांक, यूनिवर्सिटी सेंस मलेशिया (यू. एस. एम.), 3 अक्टूबर, 2022 (3). आमंत्रित वार्ता: समान विश्लेषणात्मक कार्यों के एक निश्चित वर्ग के लिए क्षेत्र एकीकृत समस्या, यूनिवर्सिटी सेंस मलेशिया (यू. एस. एम.), 21 सितंबर, 2022
परियोजनाएं	(1). कोर रिसर्च ग्रांट प्रोजेक्ट (सी. आर. जी.), एस. ई. आर. बी., डी. एस. टी. भारत सरकार। लागत: रु. 20,18,764 -
पुरस्कार/मान्यता	(1). पुरस्कार: एस. ई. आर. बी. इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस (एस. आई. आर. ई.) फेलो फॉर ईयर 2022-2023, एस. ई. आर. बी., डी. एस. टी. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया। सितंबर 2023 से फरवरी 2023 तक फेलोशिप
कोई अन्य जानकारी	15 अप्रैल, 2023 को जी. एस. वी. में डिबेटिंग डेकाथलॉन का न्यायनिर्णायक

अधिकारी @जीएसवी

				
Mr. TV Ananthasubramanian Registrar	Mr. Jawed Mazhar Chief Finance & Accounts Officer	Mr. Krishan Kumar Deputy Registrar	Mr. Hublal Jagan Dy Comptroller HR	Ms. Sweta Jain Deputy Finance Officer

सूचना का अधिकार आवेदन

कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान कुल 22 आर. टी. आई. आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी आर. टी. आई. का निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब दिया गया।

कैम्पस प्लेसमेंट

विश्वविद्यालय ने 2023 में स्नातक छात्रों के कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया। कैम्पस प्लेसमेंट प्रक्रिया में रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों सहित 70 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। कुल 201 छात्रों (109 बीबीए/बीएससी और 92 एमबीए/एमएससी) में से 2023 में स्नातक हुए, 71.93% छात्रों को, जिन्होंने कैम्पस प्लेसमेंट का विकल्प चुना, स्थान दिया गया। कुछ छात्रों ने उच्च शिक्षा/उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर होने का विकल्प चुना।

संकाय भत

विश्वविद्यालय ने संकाय की संख्या बढ़ाने के लिए जनवरी 2023 में संकाय पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की। इंजीनियरिंग और प्रबंधन विषयों में विभिन्न संकाय पदों के लिए 1200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इसके लिए गठित समितियों द्वारा पात्रता मानदंडों के आधार पर आवेदकों की प्रारंभिक जांच की गई थी। उम्मीदवारों के साथ सेमिनार/बातचीत के दौर के आधार पर आगे की जांच की गई। सेमिनार/इंटरव्यू राउंड के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की अंतिम सूची, रेफरी की टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए 2023 की चौथी तिमाही में निर्धारित व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाई जाएगी।

AY.2022-23 के दौरान संस्थागत कार्यक्रम और छात्रों की गतिविधियाँ

जीएसवी ने वर्ष के दौरान छात्रों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम/सह-पाठ्यक्रम/खेल/सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। वर्ष के दौरान सबसे प्रमुख कार्यक्रम 25-26 मार्च 2023 के दौरान आयोजित "EPITOME 2023" नामक टेकफेस्ट था।

इपिटोम 2023

विश्वविद्यालय का पहला वार्षिक टेक-फेस्ट सतत परिवहन प्रौद्योगिकी के विषय पर आधारित था। इस कार्यक्रम के लिए प्लेटिनम प्रायोजक एयरबस ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड था, गोल्ड प्रायोजक आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है और सिल्वर प्रायोजक अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड है। दो दिवसीय टेकफेस्ट का आयोजन प्रधानमंत्री के गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और राष्ट्रीय रसद नीति (एनएलपी) के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए किया गया था, जो टिकाऊ तकनीकी साधनों का उपयोग करके भारत में रसद लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत से कम करना है। छात्रों के भाग लेने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ थीं जैसे प्रबंधन सम्मेलन, तकनीकी प्रश्नोत्तरी, ई-स्पोर्ट्स, आइडियार्थॉन, निर्माण प्रतियोगिता, साइबर सुरक्षा कार्यशाला, हैकाथॉन आदि। गतिविधियों का विवरण:

आयोजन की तिथि	Date of Event	No. of Participants	Guests/Speakers
टेक फेस्ट, जीएसवी	25 मार्च, 2023 से 26 मार्च, 2023	350	श्रीमती रंजनबेन भट्ट (माननीय संसद सदस्य), श्री लॉरी एल्डर (ग्राहक सेवा प्रमुख, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया), श्री पंकज जैन - आईबीएम इंडिया, श्री विद्युत बिहारी, श्री रंजन कुमार महोपात्रा, श्री मिलिंद निर्मल, श्री सचिन जेकेएस हरिताश, श्री पंकज जैन, श्री रामानुजन, श्री राजेश मंडन, श्री भावेश चावड़ा, श्री जय शंकर शर्मा, श्री विनीत जैन



खेल आयोजन

एनर्जी कप- 14 फरवरी, 2023 से 19 फरवरी, 2023 तक पीडीईयू, गांधीनगर में एनर्जी कप इंटरकॉलेज खेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया था। जी. एस. वी. के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और उनमें से नीचे दिए गए 3 छात्रों ने पदक जीते।

विद्यार्थी	आयोजन	पदक
कोविड चौहान, बीबीए	200 मीटर दौड़	रजत पदक
नवदीप, बी.टेक	200 मीटर दौड़	कांस्य पदक
लक्षिता सिंह, बीबीए	तायक्वोंडो (Taekwondo)	रजत पदक



स्पोर्ट्स फेस्ट 2023 औजस्यः

वार्षिक खेल उत्सव, औजस्य 23 मार्च के दौरान आयोजित किया गया था। छात्रों ने 4 बैनरों में प्रतिस्पर्धा की, जिनके नाम हैं, डुरांटो बुल्स, राजधानी ईगल्स, तेजास टाइगर्स और शताब्दी स्टालियंस। छात्रों ने खेल प्रतियोगिताओं, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, थ्रो-बॉल, हैंडबॉल, टी. टी., कैरम और बैडमिंटन में भाग लिया। आयोजन लीग प्रारूप में आयोजित किए गए थे। ओवरऑल ट्रॉफी शताब्दी स्टालियंस ने जीती थी।

- टीम इवेंट: क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और कबड्डी
- व्यक्तिगत कार्यक्रम: बैडमिंटन, टेबल टेनिस, थ्रो बॉल, एथलेटिक्स, शॉर्ट पुट, चक्का फेंक,
- लंबी कूद, 5 किमी मैराथन, 1500 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़ आदि।



औजस्य 2023 (वार्षिक खेल महोत्सव) - चित्र



सह-पाठ्यचर्या कार्यक्रम

हल्ट पुरस्कार (जनवरी, फरवरी 2023): हल्ट पुरस्कार युवाओं को सामाजिक उद्यमिता के माध्यम से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए चुनौती देता है। हर साल, एक टीम को अपने विचार को वास्तविकता बनाने के लिए 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्त पोषण प्राप्त होता है। प्रतियोगिता बहुत अधिक अनुभव प्रदान करती है और युवा छात्रों में नेतृत्व के गुण पैदा करती है।

इस वर्ष का विषय "फैशन उद्योग में स्थिरता" था। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योग जगत के लीडर्स और उद्यमियों ने वक्ताओं के रूप में भाग लिया। जीएसवी की 25 टीमों ने शुरू में भाग लिया और कार्यक्रम जनवरी और फरवरी 2023 में आयोजित किए गए थे। चौथे दौर के बाद, मुंबई में क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन के लिए 1 दल का चयन किया गया।

आयोजन की तिथि	कार्यक्रम का स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि/वक्ता	विजेताओं
07-Jan-23	सभागृह	100	डॉ. सुथार	
21-Jan-23	सभागृह	100	श्री अभिजीत स्वर्णकार और श्री प्रशांत	
28-Jan-23	सभागृह	10	श्री हर्ष शाह, सुश्री मेगना डोनी और श्री भव्या राणा	
25-Feb-23	सभागृह	150	श्री पीयूष अग्रवाल, श्री तिमिर जयसवाल और श्री राहुल भागचंदानी	ऊर्जा टीम

नोट: श्री शक्ति प्रसाद महापात्रा, श्री प्रखर विक्रम, श्री अमेय ओझा और सुश्री सुप्रिया नारायण की विजेता टीम मुंबई में अगले दौर में भाग लेगी।



गणतंत्र दिवस समारोह - विश्वविद्यालय ने गणतंत्र दिवस 26/01/2023 को पूरे जोश के साथ मनाया। माननीय कुलपति ने सुबह राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया। जी. एस. वी. के साहित्यिक क्लब द्वारा उस दिन एक कविता लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी और इसका विवरण नीचे दिया गया है।

आयोजन	प्रतिभागियों की संख्या	कार्यक्रम का स्थान	विजेताओं
Republic Day Poetry writing contest	250	सभागृह	कृष्णकांत त्रिपाठी-प्रथम पुरस्कार लक्ष्य भारद्वाज-द्वितीय पुरस्कार अनुराग तिवारी - तृतीय पुरस्कार



साहित्यिक कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों के लिए एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 21 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं जिनमें से 12 छात्र अंतिम दौर में थे। गणतंत्र दिवस पर 12 छात्रों द्वारा पाठ किया गया था। श्री कृष्णकांत त्रिपाठी (एम. बी. ए. प्रथम वर्ष) को विजेता घोषित किया गया, श्री लक्ष्य भारद्वाज (बी. एस. सी. तृतीय वर्ष) और श्री अनुराग तिवारी (बी. टेक. द्वितीय वर्ष) क्रमशः प्रथम और द्वितीय उपविजेता रहे।

Y20 इंडिया – यूथ 20 (वाई20) एंगेजमेंट ग्रुप ने एक बेहतर कल के लिए विचारों के लिए देश के युवाओं से परामर्श करने और कार्रवाई के लिए एक एजेंडा का मसौदा तैयार करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर चर्चा और परामर्श का आयोजन किया। स्नातकोत्तर छात्रों ने जीएसवी के छात्र प्रकोष्ठ के सहयोग से जलवायु परिवर्तन विषय पर वाई20 इंडिया वार्ता का आयोजन किया। घटना का विवरण इस प्रकार है:

आयोजन की तिथि	कार्यक्रम का स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि/वक्ता
24-Feb-23	सभागृह, जीएसवी	250	श्री प्रशांत माथुर, श्री राजेश मंडन एवं सुश्री संतोष वाणी

Y 20 इंडिया टॉक (24.02.2023)

जीएसवी के छात्र प्रकोष्ठ के सहयोग से तक्षक क्लब ने जलवायु परिवर्तन पर एक पैनल चर्चा-वाई20 इंडिया टॉक्स का आयोजन किया।



जी. एस. वी. के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अध्यक्षीय भाषण दिया। वडोदरा के श्री राजेश मंडन, जी. एम. शेफलर इंडिया, सुश्री संतोष वाणी एस. वी., स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण पेशेवर, सीमेंस और श्री प्रशांत माथुर, एच. यू. बी. प्रबंधक स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण, हिताची एनर्जी, सभी ने स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के लिए अपनी अनुभवात्मक संगठनात्मक भागीदारी और प्रथाओं को साझा किया। इसके बाद सवाल-जवाब सत्र हुआ। यह आयोजन जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न निगमों द्वारा अपनाए गए तरीकों से प्रभावी था।



टेडएक्स जीएसवी घटना:

टेडएक्स : टेडएक्सजीएसवी कार्यक्रम एक स्थानीय सभा है जहाँ समुदाय के साथ लाइव टेड जैसी वार्ताएँ और प्रदर्शन साझा किए जाते हैं। इसका आयोजन छात्रों द्वारा "माइंड ओवर मैटर" विषय पर किया गया था। टी. ई. डी. एक्स. एक जमीनी पहल है, जिसे टी. ई. डी. के समग्र मिशन की भावना से "फैलाने योग्य विचारों" के शोध और खोज के लिए बनाया गया है।

टी. ई. डी. एक्स. ने टी. ई. डी. एक्स. कार्यक्रमों के माध्यम से दुनिया भर के स्थानीय समुदायों में टी. ई. डी. की भावना लाने की कल्पना की है। टेडएक्स आयोजनों में लाइव स्पीकर और रिकॉर्ड किए गए टेड टॉक्स शामिल हैं, और टेड द्वारा दिए गए एक मुफ्त लाइसेंस के तहत स्वतंत्र रूप से आयोजित किए जाते हैं। प्रतिभागियों के लिए खेलों का आयोजन किया गया। श्री संजीव गर्ग, महासचिव, सी. आई. एल. टी. इंडिया, श्री अभिषेक गर्ग, यूट्यूबर और निवेशक और मेजर जनरल यशपाल सिंह मोर, लीडरशिप मोटिवेटर, शिवराज गायकवाड़ और तरुण नाइक प्रमुख वक्ता थे।



कार्यक्रम का स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि/वक्ता
सभागृह, जीएसवी	250	श्री अभिषेक कर, जनरल यश मोर, श्री शिवराज गायकवाड़, श्री संजीव गर्ग और श्री तरूण नाइक

बैटल ऑफ़ विट्स : यह आयोजन प्रतिभागियों को अपने कौशल को परिष्कृत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। व्यक्तिगत और टीम की भागीदारी थी, उन्होंने लड़ाई जीतने के लिए अपने कौशल और बुद्धिमत्ता का उपयोग किया। इसका विवरण इस प्रकार है

आयोजन	कार्यक्रम का स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
बैटल ऑफ़ विट्स	बहुउद्देशीय हॉल, जीएसवी	150

विदाई पूर्व संध्या - 2023 बैच



**लेखापरीक्षा रिपोर्ट
और
खातों का विवरण
31 मार्च, 2023
समाप्त वर्ष के लिए**

अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (रेलवे बोर्ड),
रेल मंत्रालय,
रेल भवन,
नई दिल्ली

विषय:- वर्ष 2022-23 के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय (जी. एस. वी.), वडोदरा के खातों पर अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

मैं इसके साथ 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय के प्रमाणित खातों की एक प्रति (06-12-2022 से 31-03-2023) और उस पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट भेजता हूँ।

संसद को प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों की दो प्रतियां कृपया इस कार्यालय को भेजी जा सकती हैं जो उस तारीख को दर्शाती हैं जिस दिन इन्हें संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा गया था।

संलग्न: जैसा कि ऊपर बताया गया है



खालिद बिन जमाल
लेखापरीक्षा महानिदेशक

जीएसवी/अकाउंट्स/ऑडिट मेमो/एनआर/2023

दिनांक: जनवरी 2024

जानकारी और आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रतिलिपि निम्नलिखित को अग्रेषित की गई:

कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा (गुजरात) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति के साथ।

मुख्य वित्त अधिकारी, गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा (गुजरात) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति के साथ।



खालिद बिन जमाल
लेखापरीक्षा महानिदेशक

वित्तीय वर्ष 2022-23 (06-12-2022 से 31-03-2023) के लिए "गति शक्ति विश्वविद्यालय" के वार्षिक खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

1. हमने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय (जी. एस. वी.) की संलग्न तुलन-पत्र और आय और व्यय खाते का लेखा-परीक्षण किया है। ये वित्तीय विवरण जी. एस. वी. प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करें।
2. इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट (SAR) में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियम और विनियमों (स्वामित्व और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षा अवलोकन, यदि कोई हो, तो निरीक्षण रिपोर्ट/CAG के लेखा परीक्षा के माध्यम से सूचित किए जाते हैं।
3. हमने भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपना लेखापरीक्षा किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में, परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरण में राशि और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना शामिल है। इसमें उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारा लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।
4. हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:
 - (i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे;
 - (ii) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाया गया बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किया गया है।
 - (iii) हमारी राय में, GSV द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को आवश्यकतानुसार बनाए रखा गया है, सिवाय इसके कि निम्नलिखित पैराग्राफ में टिप्पणी की गई है, जहां तक ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।
 - (iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

(A) खातों पर टिप्पणियाँ:

1. बैलेंस शीट

निवेश-अन्य

बैंक में सावधि जमा (नोट 4) –Rs.31.74 करोड़

गति शक्ति विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए निर्धारित प्रारूप के अनुसार 'निवेश-अन्य' के तहत चालू परिसंपत्तियों, नकदी और बैंक शेष नोट 5 के तहत इसे चित्रित करने के बजाय Rs. 31.74 करोड़ की सावधि जमा राशि दिखाई है।

इसके परिणामस्वरूप निवेश-अन्य का अति विवरण Rs. 31.74 करोड़ से अधिक हो गया था और चालू परिसंपत्तियों-नकद और बैंक शेष की समान राशि में कमी आई थी।

1.2 बैलेंस शीट

वर्तमान संपत्ति (नोट 5) – Rs.2.37 करोड़

उपरोक्त में वडोदरा में 06-05-2022 से 17-07-2022 तक की अवधि के लिए छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा प्रदान करने के लिए एक ठेकेदार को Rs. 2.28 लाख रुपये से अधिक के जीएसटी का भुगतान शामिल नहीं है। चूंकि इन सेवाओं पर जीएसटी केवल 18-7-2022 से लागू किया गया था, वित्त मंत्रालय की अधिसूचना 04/2022 दिनांक 13 जुलाई 2022 के अनुसार, Rs. 2.28 लाख का भुगतान ठेकेदार से वसूली योग्य था।

इसके परिणामस्वरूप 'चालू परिसंपत्तियों' में Rs. 2.28 लाख की कमी आई और साथ ही 'व्यय' में भी इतनी ही राशि की अधिकता आई।

1.3 बैलेंस शीट

अल्पकालिक ऋण और अग्रिम (नोट 6)-Rs. 1.65 करोड़

उपरोक्त में 01-4-2023 से 16-02-2024 की अवधि से संबंधित प्रीपेड चिकित्सा बीमा प्रीमियम का भुगतान Rs. 9.84 लाख की राशि शामिल नहीं है। इस राशि को मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान व्यय के रूप में दिखाया गया है।

इसके परिणामस्वरूप 'अल्पकालिक ऋण और अग्रिम' और 'वर्ष के दौरान अधिशेष' में Rs. 9.84 लाख की कमी आई है और व्यय की अधिकता हुई है।

2. आय एवं व्यय खाता

कुछ नहीं

3. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और खातों के लिए नोट (नोट 18)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यहास के संबंध में महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के नोट संख्या 18 (डी) हेतु के लिए एक संदर्भ आमंत्रित किया जाता है जिसमें यह कहा गया है कि मूर्त संपत्तियों पर मूल्यहास की गणना कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-II के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन के आधार पर की गई दरों का उपयोग करके की जाती है।

GSV द्वारा लागू मूल्यहास की दरें मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरणों के अनुमोदित प्रारूप की अनुसूची 23 के खंड 3 के तहत प्रदान की गई दरों के अनुसार नहीं थीं।

B) सहायता अनुदान

राष्ट्रीय रेल परिवहन संस्थान (NRTI) से हस्तांतरित शेष अनुदान को छोड़कर 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान रेल मंत्रालय से सहायता/ऋण में कोई अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था।

C) प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से गति शक्ति विश्वविद्यालय के ध्यान में लाया जाएगा।

V) पूर्ववर्ती पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाया गया बैलेंस शीट और आय और व्यय खाता/रसीद और भुगतान खाता लेखा पुस्तकों के साथ सहमत हैं।

VI) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़ा जाता है और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के Annexure-1 में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखा सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

a) जहाँ तक यह 31 मार्च 2023 तक गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित है।

b) जहाँ तक यह उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय के आय और व्यय खातों से संबंधित है।



(खालिद बिन जमाल)

महानिदेशक लेखापरीक्षा
उत्तर रेलवे, नई दिल्ली

Annexure-1

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

GSV ने मार्च 2023 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान एक आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति नहीं की थी। हालाँकि, वित्तीय वर्ष (2023-24) के लिए एक आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही थी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

GSV में आंतरिक नियंत्रण की प्रणाली निम्नलिखित कारणों से पर्याप्त नहीं पाई गई:

- GSV के पास कोई लेखा नियमावली नहीं थी।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 17 (7) के साथ पठित धारा 24 के अनुसार, वित्त अधिकारी द्वारा तैयार विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों और वित्तीय अनुमानों को विचार के लिए वित्त समिति के समक्ष रखा जाना चाहिए और उसके बाद अनुमोदन के लिए कार्यकारी परिषद को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। हालाँकि, 2022-23 के लिए खातों को अंतिम रूप देने से पहले जीएसवी में वित्त समिति का गठन नहीं किया गया था।

3. स्थिर परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए स्थिर परिसंपत्तियों का सत्यापन किया गया था, सत्यापन के दौरान कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं देखी गई थी।

4. इन्वेंटरी के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:

GSV द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, GSV के पास कोई इन्वेंटरी नहीं है।

5. वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता:

GSV द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, छह महीने से अधिक समय तक कोई वैधानिक बकाया नहीं है।



लेखापरीक्षा निदेशक / डब्ल्यूएसटी

6-दिसंबर-22 से 31-मार्च-23 की अवधि के लिए बैलेंस शीट

(राशि रुपये में)

कॉरपस/कैपिटल फंड	1	36,68,30,070
नामित/निर्धारित/एंडोमेंट फंड		-
वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	2	76111785
कुल		44,29,41,854
धन के स्रोत	एससीएच	के रूप में
		मार्च 31,2023
धन का आवेदन अचल संपत्ति		
-मूर्त संपत्ति	3	8,33,73,767
-अमूर्त संपत्ति	3	12,83,382
-कैपिटल वर्क-इन-प्रोग्रेस		-
		8,46,57,149
निवेश-अन्य	4	317358529
वर्तमान संपत्ति	5	24430472
ऋण, अग्रिम और जमा	6	1,64,95,703
		35,82,84,704
कुल		44,29,41,854

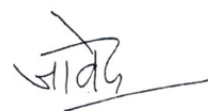
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और नोट्स
खातों

18

स्थान: वडोदरा
दिनांक: 19/09/2023



(डॉ.) मनोज चौधरी,
कुलपति



मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी

6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 की अवधि के लिए आय और व्यय का विवरण

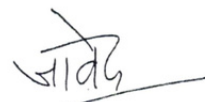
(राशि रुपये में)		
विवरण	नोट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23
शैक्षणिक प्रशियां	7	3,57,44,711.00
निवेश से आय	8	1,12,69,017.00
अर्जित ब्याज	9	1,32,672.00
अन्य आय	10	4,82,875.00
कुल आय (I)		4,76,29,275.00
व्यय		
कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	11	1,52,51,921.00
शैक्षणिक खर्च	12	3,63,06,476.50
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	13	80,64,543.88
परिवहन व्यय	14	14,85,014.00
मरम्मत और रखरखाव	15	20,98,155.00
वित्त लागत	16	1,820.42
डेप्रिसिएशन और एमॉर्टाईजेशन	3	50,49,642.00
आमदनी		
कुल व्यय (II)		6,82,57,572.80
		(2,06,28,297.80)
असाधारण मदों से पहले अधिशेष (I) - (II)		
असाधारण आइटम		
अनुदान से समायोजन		
(I) - (II) वर्ष के लिए अधिशेष/(घाटा)		<u>(2,06,28,297.80)</u>
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और नोट्स	18	
खातों		

स्थान: वडोदरा

दिनांक: 19/09/2023



(डॉ.) मनोज चौधरी,
कुलपति



मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी

6-Dec-22 से 31-Mar-23 की अवधि के लिए वित्तीय विवरणों के नोट्स

(राशि रुपये में)

1. कॉर्पस/कैपिटल फंड

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
(क) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारणों को दर्शाने वाला विवरण। अंतिम वित्तीय विवरणों के अनुसार शेष राशि	3,96,04,490.24
(क) वर्ष के लिए अधिशेष/(घाटा)	(3,51,80,777.54)
आय और व्यय के विवरण में शुद्ध अधिशेष/(घाटा)	44,23,712.70
प्रायोजक निकाय (एनआरटीयू फाउंडेशन) और रेल मंत्रालय से योगदान	-
कुल	36,24,06,357.00
	36,68,30,069.70

2- वर्तमान देनदारियों और प्रावधान

2 (क). अन्य दीर्घकालिक देनदारियां

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
सावधानी शुल्क (वापसी योग्य)	37,80,000.00
सुरक्षा जमा	461109
अन्य देय राशि (छात्र हितकारी निधि)	702000
कुल	49,43,109.00

2 (बी)। देय व्यापार

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
व्यापार देय	
- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के कारण कुल बकाया	-
- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य के कारण कुल बकाया	31757967
कुल	3,17,57,967.00

2 (सी)। अन्य वर्तमान देनदारियां

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
अनर्जित आय	18292037
छात्र अग्रिम	0
वैधानिक देय देय	2414613.34
अन्य देय राशि	17316765
डीएसटी से प्राप्त अनुदान	1012775.69
वेतन, मजदूरी और बोनस देय	374517.58
कुल	3,94,10,708.61

स्थान: वडोदरा

दिनांक: 19/09/2023


(डॉ.) मनोज चौधरी
कुलपति

मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी

4. निवेश- अन्य

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
बैंकों के साथ मीयादी जमा	317358529
	31,73,58,529.00

5. वर्तमान संपत्ति

5 (ए)। व्यापार प्राप्य

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
सर्वम्भ	
असुरक्षित - अच्छा माना जाता है	654140
असुरक्षित - संदिग्ध माना जाता है	
कम : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	
	6,54,140.00
विवादित	
असुरक्षित - अच्छा माना जाता है	
असुरक्षित - संदिग्ध माना जाता है	
कम : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-
कुल (ए + बी)	6,54,140.00

5 (बी)। नकद और बैंक बैलेंस

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
नकद और नकद समतुल्य	
हाथ में नकद	
बैंक के साथ शेष राशि	
- चालू खातों में	23776332.45
- चालू खाते में स्वीप जमा में	
	2,37,76,332.45
अन्य बैंक बैलेंस	
3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से कम परिपक्वता वाली सावधि जमा	-
कुल (ए + बी)	2,37,76,332.45

6. अल्पावधि ऋण और अग्रिम

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
असुरक्षित अच्छा माना जाता है	
प्रीपेड खर्च	3768594
एनआरटीयू दिल्ली (प्रधान कार्यालय)	0
आपूर्तिकर्ताओं के लिए अग्रिम	2324549
टीडीएस प्राप्य	128754
अर्जित ब्याज	10273806
	1,64,95,703.00

कुल

7. शैक्षणिक प्राप्तियाँ

(राशि रुपये में)

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
प्रारंभिक जमा शुल्क प्रवेश परीक्षा शुल्क	-
छात्र आईडी कार्ड फीस	-
प्रवेश शुल्क	-28,500.00
ट्यूशन और अन्य शुल्क	-
ट्यूशन फीस	2,09,66,713.00
मेस फीस	67,80,523.00
छात्रावास शुल्क	62,94,493.00
कैंपस सुविधा शुल्क	12,72,500.00
पंजीकरण शुल्क	29,000.00
अध्ययन Material फीस	3,87,000.00
समान योगदान	3,678.00
अन्य शुल्क	39,304.00
अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क	-
कुल	3,57,44,711.00

8. निवेश से आय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
मीयादी जमाराशियों पर ब्याज	1,12,69,017.00
	1,12,69,017.00

9. अर्जित ब्याज

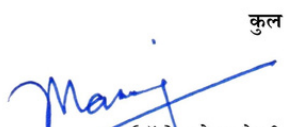
पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर	1,32,672.00
	1,32,672.00

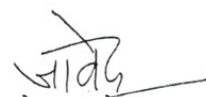
10. अन्य आय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
निविदा शुल्क	-
अन्य आय	4,82,694.00
सूचना का अधिकार (आरटीआई)	181.00
चालू वर्ष के खर्चों के लिए रेल मंत्रालय से अनुदान का उपयोग किया गया	-
कुल	4,82,875.00

स्थान: वडोदरा

दिनांक: 19/09/2023


 (डॉ.) मनोज चौधरी,
 कुलपति 40


 मोहम्मद जावेद मजर
 मुख्य वित्त अधिकारी

(राशि रुपये में)

11. कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
वेतन और मजदूरी	1,51,64,684.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	87,237.00
कुल	1,52,51,921.00

12. शैक्षणिक व्यय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
प्रवेश प्रक्रिया प्रबंधन सेवाएं	-
विजिटिंग फैकल्टी शिक्षण व्यय	97,38,161.00
परिवहन शुल्क	10,60,839.00
मेस खर्च	71,05,861.00
छात्रावास के कमरे का शुल्क	42,57,060.00
छात्रावास का खर्च	11,70,696.00
पुस्तकें और पत्रिकाएं खर्च	4,68,300.00
छात्र कल्याण खर्च	13,37,106.50
वित्तीय सहायता	1,11,10,570.00
एक समान व्यय	-
दीक्षांत समारोह का खर्च	8,620.00
प्रशिक्षण कार्यक्रम	-
परीक्षा व्यय	49,263.00
कुल	3,63,06,476.50

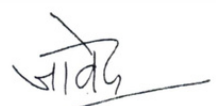
13. प्रशासनिक और सामान्य व्यय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23 रु।
A. इन्फ्रास्ट्रक्चर साक्षरता और शक्ति	1,49,343.00
B. संचार	
डाक और स्टेशनरी	
टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क	25,538.74
C. अन्य खर्च	
आईटी समर्थन और रखरखाव खर्च	5,02,466.94
कार्यालय का खर्च	1,20,582.00
हाउस कीपिंग खर्च	10,74,103.00
मैन पावर सर्विस खर्च	59,59,890.00
मुद्रण और स्टेशनरी	67,872.00
विविध खर्च	53,240.00
आईआर अधिकारी कार्यक्रम	-
कानूनी, व्यावसायिक और परामर्श	1,00,024.00
कुल	80,53,059.68



(डॉ.) मनोज चौधरी,

41 कुलपति



मोहम्मद जावेद मजहर

मुख्य वित्त अधिकारी

स्थान: वडोदरा

दिनांक: 19/09/2023

14. परिवहन व्यय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23	रु।
यात्रा और वाहन		14,85,014.00
		14,85,014.00

15. मरम्मत और रखरखाव

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23	रु।
-बिल्लिंग		20,65,477.00
-दूसरों		32,678.00
		20,98,155.00

16. वित्त लागत

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23	रु।
बैंक प्रभार		1,820.42
		1,820.42

17. पूर्व अवधि के व्यय

पार्टिकुलेट्स	अवधि के लिए 6-दिसम्बर-22 से 31-मार्च-23	रु।
		-
		-

स्थान: वडोदरा
दिनांक: 19/09/2023



(डॉ.) मनोज चौधरी,
कुलपति



मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी

अनुसूची 18: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखाओं के लिए टिप्पणियाँ

1.01 तैयारी का आधार

विश्वविद्यालय के वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (भारतीय जीएएपी) के अनुसार तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण एक प्रोन्नत आधार पर और ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत तैयार किए गए हैं। गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2022 - 17/2022 दिनांक 16 अगस्त 2022 के माध्यम से, भारत के राजपत्र दिनांक 17 अगस्त 2022 में प्रकाशित की गई थी और 6 दिसंबर, 2022 को इस प्रभाव की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अस्तित्व में आया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2022 की धारा 4 (एच) के अनुसार, राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान, वडोदरा की या उससे संबंधित सभी संपत्ति, चल और अचल संपत्ति, गति शक्ति विश्वविद्यालय में निहित होगी और धारा 4 (i) के अनुसार राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान, वडोदरा के सभी अधिकार और देनदारियां स्थानांतरित की जाएंगी, और इस अधिनियम के तहत स्थापित गति शक्ति विश्वविद्यालय के अधिकार और देनदारियां अधिसूचित नियत तिथि यानी 6 दिसंबर, 2022 से हों।

05.12.2022 को राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान की सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों के निम्नलिखित समापन शेष को गति शक्ति विश्वविद्यालय को ओपनिंग बैलेंस के रूप में हस्तांतरित कर दिया गया था।

1.02 महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. अनुमानों का उपयोग

आईजीएपी के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए विश्वविद्यालय के प्रबंधन को अनुमान और धारणाएं बनाने की आवश्यकता होती है जो वित्तीय विवरण की तारीख के अनुसार संपत्ति, देनदारियों, राजस्व और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करते हैं, और आकस्मिक देयता का खुलासा करते हैं। ऐसे अनुमानों के उदाहरणों में मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन का आकलन, मालसूची का मूल्यांकन, आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वसूली योग्य मात्रा का आकलन और कर्मचारियों से संबंधित दायित्वों के प्रावधान, मुकदमों और आकस्मिकताओं के खिलाफ प्रावधान शामिल हैं। यद्यपि ऐसे अनुमान और धारणाएं सभी उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए उचित और विवेकपूर्ण आधार पर बनाई जाती हैं, वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों में किसी भी संशोधन को वर्तमान और भविष्य की अवधि में भावी रूप से मान्यता दी जाती है।

1. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2022 की धारा 4 (एच) के अनुसार, राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान, वडोदरा की या उससे संबंधित सभी संपत्ति, चल और अचल संपत्ति, गति शक्ति विश्वविद्यालय में निहित होगी। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण लागत, संचित मूल्यहास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, के शुद्ध पर बताए गए हैं। लागत में खरीद मूल्य, उधार लेने की लागत शामिल है यदि पूंजीकरण मानदंड पूरे होते हैं और इच्छित उपयोग के लिए परिसंपत्ति को अपनी कार्यशील स्थिति में लाने की सीधे लागत होती है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पीआई: डॉ वी चिंतला से प्राप्त प्रायोजित परियोजना से निर्मित रु. 18,67,315 / - रुपये की संपत्ति, जहां स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा बनाए रखा जाता है लेकिन संस्था द्वारा आयोजित और उपयोग किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु से संबंधित बाद के व्यय को उसके पुस्तक मूल्य में तभी जोड़ा जाता है जब यह मौजूदा परिसंपत्ति से भविष्य के लाभों को उसके पहले के मूल्यांकन किए गए प्रदर्शन से परे बढ़ाता है। मौजूदा संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर अन्य सभी खर्च, दिन-प्रतिदिन की मरम्मत और रखरखाव व्यय और भागों को बदलने की लागत सहित, उस अवधि के लिए आय और व्यय के विवरण में बदल जाते हैं जिसके दौरान ऐसे खर्च किए जाते हैं।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मान्यता रद्द करने से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को शुद्ध निपटान आय और संपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है और संपत्ति के डी-मान्यता प्राप्त होने पर आय और व्यय के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है।

अलग से अर्जित अमूर्त संपत्ति लागत पर प्रारंभिक मान्यता पर मापा जाता है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, अमूर्त परिसंपत्तियों को लागत कम संचित परिशोधन और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, पर ले जाया जाता है।

विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों में उन परिसंपत्तियों की लागत शामिल है जो रिपोर्टिंग तिथि पर उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं।

1. राजस्व मान्यता

राजस्व को इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभव है कि आर्थिक लाभ विश्वविद्यालय को प्रवाहित होगा और राजस्व को मज़बूती से मापा जा सकता है। राजस्व को मान्यता देने से पहले निम्नलिखित विशिष्ट मान्यता मानदंडों को भी पूरा किया जाना चाहिए:

शुल्क की प्रारंभिक जमा से आय:

शुल्क की प्रारंभिक जमा के संबंध में राजस्व प्राप्ति पर अग्रिम रूप से मान्यता प्राप्त है।

ट्यूशन और अन्य शुल्क से आय:

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत निगमित विश्वविद्यालय को इस अधिनियम के तहत गति शक्ति विश्वविद्यालय के नाम से एक निकाय कॉर्पोरेट के रूप में स्थापित किया जाएगा। यह अपने क्रियाकलापों से कोई लाभ/अधिशेष उत्पन्न नहीं करता है।

विश्वविद्यालय की आय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23C) (iiiab) के तहत छूट दी गई है।

1. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यहास

मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यहास की गणना कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन के आधार पर निर्धारित दरों का उपयोग करके एक सीधी रेखा विधि विधि पर की जाती है।

रु. 5,000 तक की एसेट की कीमत खरीद के वर्ष में पूरी तरह से डेप्रिसिएट हो जाती है।

अमूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यहास 3 साल में संपत्ति के जीवन पर विचार करने के आधार पर लगाया जाता है और मूल्यहास @ 33.33% प्रति वर्ष होता है।

1. पट्टों

जहां विश्वविद्यालय पट्टेदार है:

पट्टे, जहां पट्टेदार प्रभावी रूप से पट्टे पर दी गई वस्तु के स्वामित्व के सभी जोखिमों और लाभों को काफी हद तक बरकरार रखता है, को परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऑपरेटिंग लीज भुगतान को पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा के आधार पर आय और व्यय के विवरण में एक व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

1. उधार लेने की लागत

उधार लागत में ब्याज, उधार की व्यवस्था के संबंध में किए गए सहायक लागतों का परिशोधन और विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न विनिमय अंतर उस सीमा तक शामिल है जिस हद तक उन्हें ब्याज लागत के समायोजन के रूप में माना जाता है।

किसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए सीधे जिम्मेदार उधार लेने की लागत, जो आवश्यक रूप से अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में पर्याप्त समय लेती है, संबंधित संपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में पूंजीकृत होती है। अन्य सभी उधार लेने की लागत उस अवधि में खर्च की जाती है जब वे होती हैं।

1. मूर्त संपत्ति की हानि

यदि आंतरिक/बाह्य कारकों के आधार पर हानि का कोई संकेत मिलता है तो प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर परिसंपत्तियों की वहन राशियों की समीक्षा की जाती है। एक हानि हानि को मान्यता दी जाती है जहां किसी संपत्ति की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है। वसूली योग्य राशि परिसंपत्ति के शुद्ध बिक्री मूल्य और उपयोग में मूल्य से अधिक है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिम के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाती है।

हानि के बाद, परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि पर उसके शेष उपयोगी जीवन में मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

1. विदेशी मुद्रा अनुवाद

विदेशी मुद्रा लेनदेन और शेष राशि

(i) प्रारंभिक मान्यता

विदेशी मुद्रा लेनदेन रिपोर्टिंग मुद्रा में दर्ज किए जाते हैं, लेनदेन की तारीख में रिपोर्टिंग मुद्रा और विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर को लागू करके।

(ii) परिवर्तन

विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं को रिपोर्टिंग तिथि पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करके पुनः अनुवादित किया जाता है। गैर-मौद्रिक आइटम, जिन्हें विदेशी मुद्रा में अंकित ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, लेनदेन की तारीख में विनिमय दर का उपयोग करके सूचित किया जाता है। गैर-मौद्रिक आइटम, जिन्हें उचित मूल्य या विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित अन्य समान मूल्यांकन पर मापा जाता है, का अनुवाद उस तारीख को विनिमय दर का उपयोग करके किया जाता है जब ऐसा मूल्य निर्धारित किया गया था।

(iii) विनिमय अंतर

मौद्रिक वस्तुओं के निपटान पर उत्पन्न होने वाले विनिमय मतभेद या विश्वविद्यालय के ऐसे मौद्रिक मदों की रिपोर्ट करने पर उन दरों से अलग दरों पर जिन पर वे शुरू में वर्ष के दौरान दर्ज किए गए थे, या पिछले वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट किए गए थे, उन्हें आय के रूप में या उस वर्ष में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

1. आयकर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत निगमित विश्वविद्यालय को इस अधिनियम के तहत गति शक्ति विश्वविद्यालय के नाम से एक निकाय कॉर्पोरेट के रूप में स्थापित किया जाएगा। यह अपने क्रियाकलापों से कोई लाभ/अधिशेष उत्पन्न नहीं करता है। विश्वविद्यालय की आय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23C) (iiiab) के तहत छूट दी गई है।

1. प्रावधानों

एक प्रावधान को मान्यता दी जाती है जब विश्वविद्यालय के पास अतीत की घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है, यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ को मूर्त रूप देने वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है। प्रावधानों को उनके वर्तमान मूल्य पर छूट नहीं दी जाती है और रिपोर्टिंग तिथि पर दायित्व को निपटाने के लिए आवश्यक सर्वोत्तम अनुमान के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इन अनुमानों की प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

1. आकस्मिक देनदारियां

एक आकस्मिक दायित्व एक संभावित दायित्व है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है जिनके अस्तित्व की पुष्टि विश्वविद्यालय के नियंत्रण से परे एक या एक से अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं की घटना या गैर-घटना से होती है या वर्तमान दायित्व जिसे मान्यता नहीं दी जाती है क्योंकि यह संभव नहीं है कि दायित्व को निपटाने के लिए संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी। एक आकस्मिक देयता अत्यंत दुर्लभ मामलों में भी उत्पन्न होती है जहां एक देयता होती है जिसे मान्यता नहीं दी जा सकती है क्योंकि इसे मज़बूती से मापा नहीं जा सकता है। विश्वविद्यालय एक आकस्मिक दायित्व को मान्यता नहीं देता है, लेकिन वित्तीय विवरणों में इसके अस्तित्व का खुलासा करता है।

1. नकद और नकद समकक्ष

नकदी प्रवाह विवरण के प्रयोजनों के लिए नकद और नकद समकक्षों में बैंक में नकदी और हाथ में और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक निवेश शामिल हैं।

1. सेवानिवृत्ति लाभ

RR शिक्षा लाभ अर्थात् भविष्य निधि पाठ्यक्रम आधार पर प्रदान की जाती है।

1. सरकारी अनुदान

सरकार से अनुदान को मान्यता दी जाती है जब उचित आश्वासन होता है कि:

1. विश्वविद्यालय उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगा; और
2. अनुदान प्राप्त होगा।

राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदानों को लाभ और हानि के बयान में व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जो उन्हें संबंधित लागतों के साथ मिलान करने के लिए आवश्यक अवधि में होती है, जिसकी वे भरपाई करने का इरादा रखते हैं। ऐसे अनुदानों को 'अन्य आय' के अंतर्गत अलग से दर्शाया जाता है। जहां विश्वविद्यालय को गैर-मौद्रिक अनुदान प्राप्त होता है, संपत्ति का हिसाब उसकी अधिग्रहण लागत के आधार पर किया जाता है। यदि कोई गैर-मौद्रिक परिसंपत्ति निःशुल्क दी जाती है तो उसे नाममात्र मूल्य पर मान्यता प्राप्त होती है।

1. कॉर्पस फंड/कैपिटल फंड का द्विभाजन

अनुसूची-I में प्रकट की गई कॉर्पस निधि/पूंजी निधि का विस्तृत विभाजन निम्नानुसार है:

अनुसूची में दिखाया जाना चाहिए	
विवरण	राशि (₹ में)
ओपनिंग बैलेंस	38,74,58,367.50

परिवर्धन: प्रायोजक निकाय (एनआरटीयू फाउंडेशन) और रेल मंत्रालय से योगदान	0
अधिशेष/(घाटा) आय और व्यय के अनुसार	(2,06,28,297.80)
क्लोजिंग बैलेंस	36,68,30,069.70

1. प्रायोजित परियोजनाएं/प्रायोजित फैलोशिप:

संकायों द्वारा प्राप्त प्रायोजित परियोजनाओं और प्रायोजित फैलोशिप का विवरण 06.12.2022 से 31.03.2023 की अवधि के लिए निम्नानुसार है:

Sr.No।	परियोजना का नाम	06.12.2022 को शेष राशि	प्राप्त राशि	कुल	व्यय की राशि	31.03.2023 को क्लोजिंग बैलेंस
एक	प्रायोजित परियोजना					
1	परिवहन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टो-ईंधन के लिए नगरपालिका मिश्रित ठोस कचरे का सौर पूर्व-गर्म थर्मोकैमिकल रूपांतरण और डॉ. वी. चिंताला द्वारा डीएसटी से औद्योगिक हीटिंग अनुप्रयोग	5631198	46339	5677537	5546539	130998
2	डॉ नवनीत लाल शर्मा द्वारा डीएसटी द्वारा यूनिवर्सेल फंक्शन थ्योरी में समस्याओं और अनुमानों पर एक अध्ययन	0	739466	739466	0	739466
3	डॉ. वी. चिंताला द्वारा डीएसटी प्रायोजित जागरूकता अभियान	191498	0	191498	54564	136934
	कुल (A)					1007398
जन्म	प्रायोजित फैलोशिप					
	ज्यामितीय फंक्शन सिद्धांत में कुछ अनुमान और समस्याएं "डीएसटी द्वारा डॉ नवनीत लाल शर्मा द्वारा	1426600	5441	1432041	1426664	5377
	कुल (बी)					5377
	कुल (A+B)					1012775

1. गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के वार्षिक खातों में राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान (एनआरटीआई) के तहत खातों की तैयारी का प्रकटीकरण:

06.12.2022 से 31.01.2023 के बीच की अवधि के लिए लेनदेन का विवरण, जो क्रमशः एनआरटीयू फाउंडेशन/नेशनल रेल एंड ट्रांसपोर्टेशन इंस्टीट्यूट के आयकर पैन और जीएसटी क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) की स्थापना की नियत तिथि के बाद राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान के नाम पर किए गए हैं और इन वित्तीय लेनदेन को जीएसवी में निहित किया गया है।

1. प्रायोजित परियोजनाओं/प्रायोजित अध्येतावृत्तियों के लिए रखे गए बैंक खाते:

31.03.2023 तक प्रायोजित परियोजनाओं और प्रायोजित फैलोशिप के लिए बनाए गए बैंक खातों का विवरण:

प्रायोजित परियोजनाओं/अध्येतावृत्ति के लिए बैंक खाते	राशि (रु.)
एसबीआई - 173250 (डॉ. वी. चिंतला के डीएसटी से प्राप्त अनुदान के लिए प्रायोजित परियोजनाएं खाता)	67357.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- (प्रायोजित फैलोशिप और प्रोजेक्ट अकाउंट डीएसटी से डॉ एन एल शर्मा	1227603.77
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया-प्रायोजन खाता	1001.00
कुल	1295961.77

प्रो (डॉ) मनोज चौधरी
कुलपति

मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी

गति शक्ति विश्वविद्यालय

06.12.2022 से 31.03.2023 की अवधि के लिए वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

(राशि रूप में)

3 अचल संपत्तियाँ

सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	सकल ब्लॉक					संचित मूल्यहास				नेट ब्लॉक	
	दिनांक 06.12.2022 तक	अतिरिक्त	हटाए	पुनर्मूल्यांकन के कारण परिवर्तन *	दिनांक 31.03.23 को	दिनांक 06.12.2022 तक	अवधि के लिए शुल्क	निपटान	दिनांक 31.03.23 को	31.03.2023 तक	दिनांक 06.12.2022 तक
इमारत	1,05,21,777	44,09,943			1,49,31,720	20,52,252	10,62,730		31,14,982	1,18,16,738	84,69,525
उपकरण	18,16,503	5,28,865	-		23,45,368	2,85,484	1,21,483	-	4,06,967	19,38,401	15,31,019
प्रयोगशाला उपकरण	4,00,51,095	2,88,60,048			6,89,11,143	35,63,041	29,18,475		64,81,516	6,24,29,627	3,64,88,054
कंप्यूटर और प्रिंटर	31,18,692	4,18,788			35,37,480	2,64,198	3,26,244		5,90,442	29,47,038	28,54,494
फर्नीचर	32,70,134	7,46,230			40,16,364	1,66,268	3,14,891		4,81,159	35,35,205	31,03,866
किताबें	-	7,23,325			7,23,325	-	16,567		16,567	7,06,758	-
कुल	5,87,78,201.00	3,56,87,199.00	-	-	9,44,65,400.00	63,31,243.00	47,60,390.00	-	1,10,91,633.00	8,33,73,767.00	5,24,46,958.00
अमृत संपत्तियाँ	28,10,770	1,50,040	-		29,60,810	13,88,176	2,89,252	-	16,77,428	12,83,382	14,22,594
कुल योग	6,15,88,971.00	3,58,37,239.00	-	-	9,74,26,210.00	77,19,419.00	50,49,642.00	-	1,27,69,061.00	8,46,57,149.00	5,38,69,552.00
पिछली अवधि 01.04.22 से 05.12.22 तक	2,93,45,122	3,22,43,849	-	-	6,15,88,971	18,84,223	58,35,196	-	77,19,419	5,38,69,552	2,74,60,899

स्थान: वडोदरा

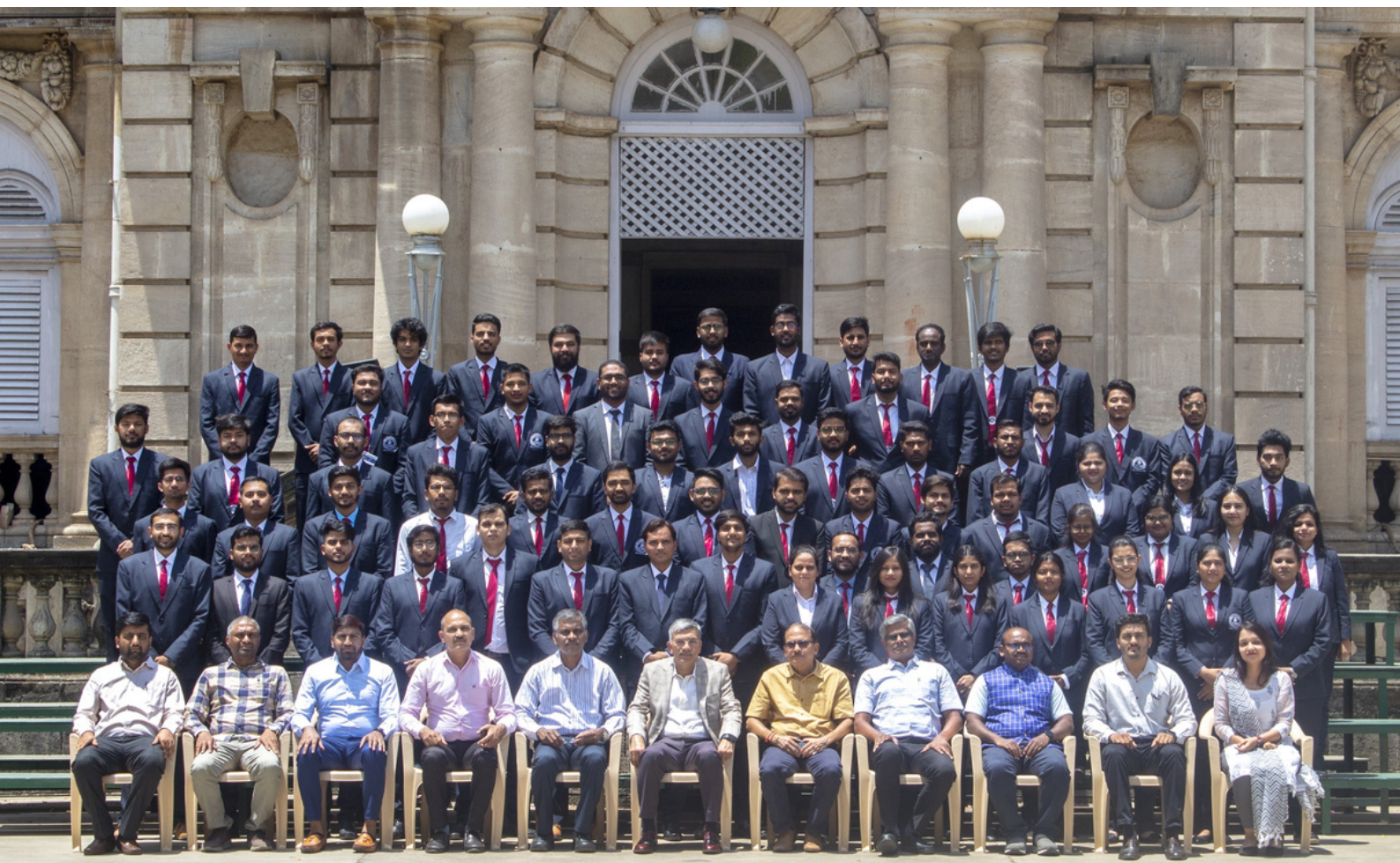
दिनांक: 19/09/2023



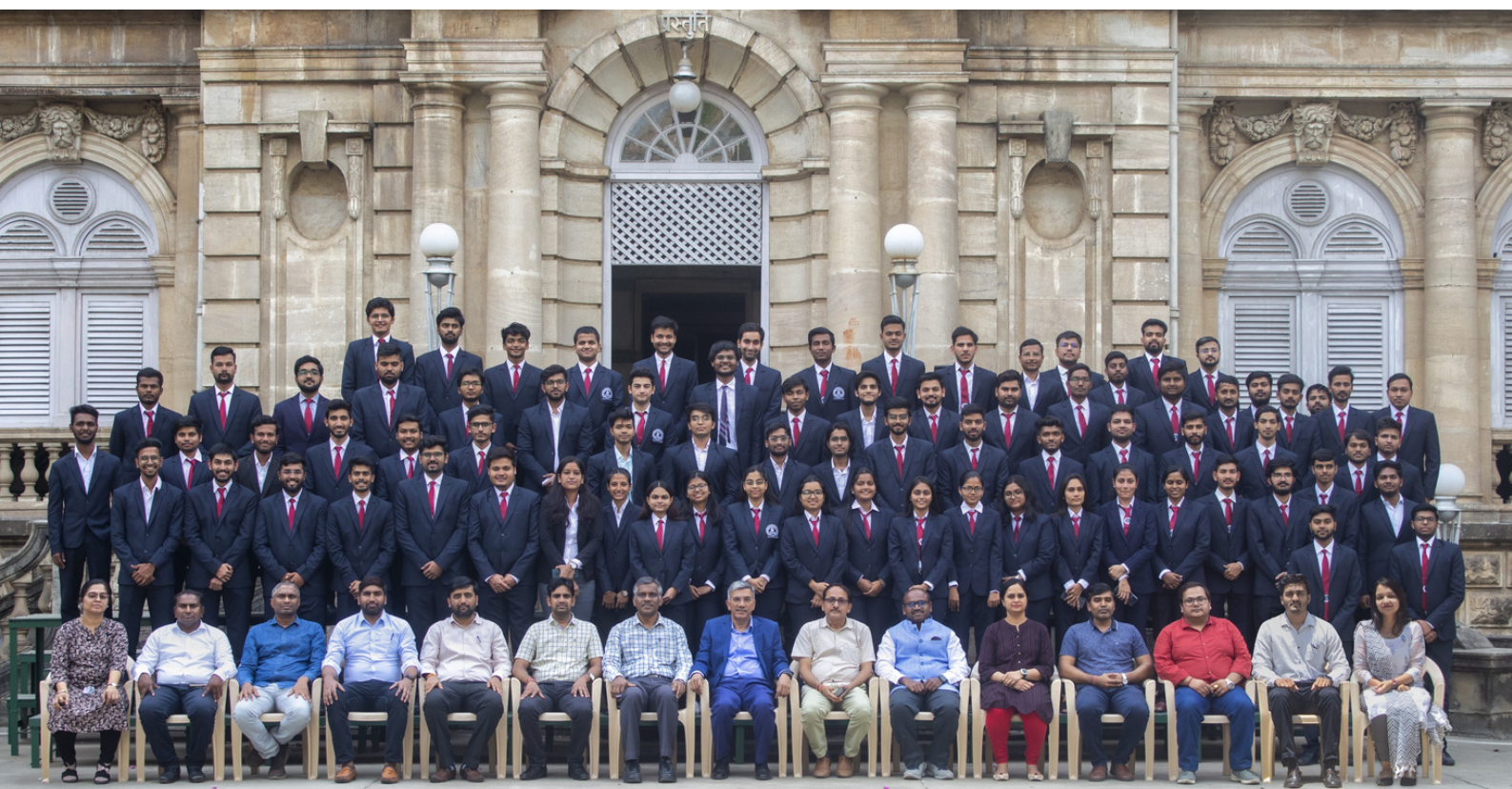
(डॉ.) मनोज चौधरी,
कुलपति



मोहम्मद जावेद मजहर
मुख्य वित्त अधिकारी



2021-23 Postgraduate Batch



2020-23 Undergraduate Batch